सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

पृथ्वी ने फर्स्ट लास क्रिकेट में 5000 रन पूरे किये -पेज: 7

एंजेलिना जोली से प्रेरित हैं शीना चौहान -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 218 | सोमवार 17 नवंबर 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

देर रात मिली दो ट्रेनों में बम रखे होने सूचना, यात्रियों में मचा हड़कंप

-एक ट्रेन को अलीगढ़ तो दूसरी को इटावा में रोक कर किया चेक, अफवाह निकली

इटावा (एजेंसी)। दिल्ली ब्लास्ट के बाद बम की सूचना ने रेलवे और पुलिस प्रशासन की नींद उड़ा दी। दो ट्रेनों में बम की सूचना मिली थी। इससे यात्रियों में हड़कंप मच गया। दोनों ट्रेनों को रोककर जांच की गई। शनिवार-रविवार की दरमियानी रात पुलिस महकमे में उस समय अफरा तफरी मच गई जब इटावा जंक्शन पर दिल्ली से आने वाली दो ट्रेनों स्वतंत्रता सेनानी एक्सप्रेस व शिवगंगा काशी एक्सप्रेस में बम रख होने की सूचना मिली तुरंत चेकिंग के निर्देश दिए गए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक स्वतंत्रता सेनानी एक्सप्रेस को अलीगढ़ में चैक किया। शिवगंगा ट्रेन को इटावा में चैक किया गया। एसएसपी पुलिस बल के साथ स्टेशन पर पहुंचे और चैकिंग की। हालांकि चेकिंग में कुछ नहीं मिला। यह खबर झूठी निकली। कुछ देर बाद ट्रेन को रवाना किया गया।

सोनभद्र में खदान धंसने से बड़ा हादसा : 1 की मौत, 15 के दबे होने की आशंका

सोनभद्र (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले में शनिवार शाम बड़ा हादसा हो गया, जब ओबरा थाना क्षेत्र के बिल्ली मरकुंडी खनन इलाके में पत्थर की खदान धंस गई। हादसे में अब तक एक व्यक्ति की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि करीब 15 लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका जताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें मौके पर पहुंच गईं और रातभर से राहत-बचाव कार्य जारी है। भारी मलबे को हटाने के लिए बड़ी मशीनों का इस्तेमाल किया जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि जैसे-जैसे मलबा हटेगा, फंसे लोगों तक पहुंचने की उम्मीद बढ़ेगी। घटनास्थल के आसपास के गांवों में दहशत और बेचैनी का माहौल है।

माकपा ने तमिलनाडु में गणना फॉर्म समय सीमा बढ़ाने की मांग की

नई दिल्ली (एजेंसी)। माकपा ने आरोप लगाया कि 2002 से संबंधित मतदाता सूची में परिवार के सदस्यों के नाम ऑनलाइन ढूंढना बेहद कठिन है। पार्टी ने निर्वाचन आयोग से आग्रह किया है कि गणना फॉर्म जमा करने की समय सीमा 4 दिसंबर तक बढ़ाई जाए। निर्वाचन आयोग ने दावा किया था कि 13 नवंबर तक लगभग 80 प्रतिशत मतदाताओं को फॉर्म वितरित किए जा चुके हैं। माकपा ने इस दावे पर संदेह जताते हुए सभी लोगों तक फॉर्म का उचित वितरण सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों के हस्तक्षेप की मांग की है। माकपा के राज्य सचिव पी. षणमुगम ने कहा कि बीएलओ अक्सर फॉर्म के दायरे और भरने के मुख्य बिंदुओं को समझाने में कठिनाई महसूस करते हैं। इसलिए निरक्षर मतदाता फॉर्म भरने में मुश्किलों का सामना करते हैं और उन्हें समय सीमा बढ़ाने की जरूरत है।

सुकमा में नक्सलियों के साथ मुठभेड़, तीन की मौत

रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले के भेज्जी और चिंतागुफा थाना क्षेत्रों में रविवार सुबह जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) की टीम ने नक्सल विरोधी अभियान चलाया। माओवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने पर सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ शुरू हुई। पुलिस अधीक्षक के अनुसार, मुठभेड़ में अब तक तीन नक्सली मारे गए हैं। अभियान अभी भी जारी है। इस साल छत्तीसगढ़ में अब तक कुल 262 नक्सली मारे जा चुके हैं। इनमें से 233 बस्तर संभाग (सुकमा सहित सात जिले) में, 27 गरियाबंद जिले (रायपुर संभाग) में और दो दुर्ग संभाग के मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले में मारे गए। सुरक्षाबलों की यह कार्रवाई राज्य में नक्सली गतिविधियों को कम करने के प्रयासों का हिस्सा मानी जा रही है।

ट्रेन में बुजुर्ग दंपति के बैग से 50 लाख के गहने चोरी, 4 सदस्यीय गैंग गिरफ्तार

कोझिकोड (एजेंसी)। चेन्नई-मेंगलुरु ट्रेन में यात्रा कर रहे एक बुजुर्ग दंपति के बैग से करीब 50 लाख रुपये के सोने और हीरे के गहने चोरी करने वाले चार आरोपियों को रेलवे पुलिस ने गिरफ्त में ले लिया। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी हरियाणा के रहने वाले हैं और एक अंतरराज्यीय चोर गिरोह का हिस्सा हैं। चोरी को लेकर दंपति ने मीडिया को बताया कि यात्रा के दौरान दो हिंदी भाषी युवकों ने बैग ऊपर रखने में उनकी मदद की थी। कोयिलांडी स्टेशन पहुंचने पर उन्हें गहने गायब मिले। शिकायत के बाद पुलिस ने रिजर्वेशन चार्ट, सीसीटीवी फुटेज और मोबाइल नंबरों की लोकेशन के आधार पर जांच आगे बढ़ाई। सुराग मिलने पर पुलिस ने केरल-कर्नाटक बॉर्डर के पास चारों आरोपियों को पकड़ा और चोरी किए गए सभी गहने बरामद कर लिए। जांच में सामने आया कि यह गिरोह एसी कोच में टिकट बुक कर अमीर यात्रियों को निशाना बनाता था। पुलिस ने बरामद गहने दंपति को लौटाने की तैयारी कर ली है। आरोपियों को अदालत में पेश किया जाएगा।

18 तक महिलाएं कराएं ई-केवाईसी, तभी मिलेगा लड़की बहिन योजना का लाभ

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र सरकार ने महिला कल्याण की प्रमुख योजना मुख्यमंत्री माझी लड़की बहिन योजना के लाभार्थियों से कहा है कि वे अपनी ई-केवाईसी प्रक्रिया 18 नवंबर तक पूरी कर लें। सरकार इस सत्यापन को जरूरी कर रही है ताकि असली और पात्र महिलाएं ही इस योजना का लाभ ले सकें। शुरुआती जांच में लाखों संदिग्ध रिकार्ड मिले थे कुछ में पुरुषों का नाम भी था इसलिए यह कदम उठाया गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक योजना जून 2024 में शुरू की गई थी। इसके तहत हर एलिजिबल महिला को हर महीने 1500 रुपए सीधे उनके बैंक खाते में डाले जाते हैं। विभाग ने कहा कि भुगतान सिर्फ उन्हीं को जारी होगा जिन्होंने तय समय में ई-केवाईसी पूरा किया होगा। अक्टूबर तक करीब 90 फीसदी रजिस्टर्ड महिलाओं ने ई-केवाईसी पूरी कर ली थी, ऐसा बताया गया है। सरकार ने ई-केवाईसी अनिवार्य इसलिए किया है ताकि फर्जी या गलत रिकॉर्ड हटाए जा सकें और सरकारी राशि सही लाभार्थियों तक पहुंचे जिन महिलाएं अभी तक वेरिफिकेशन नहीं कराया है, उन्हें सरकार की तरफ से दी गई नई अंतिम तिथि का ध्यान रखना होगा, वरना उन्हें लाभ बंद होने का खतरा है।

आतंकी उमर ने घर में बना रखी थी बम बनाने की प्रयोगशाला

- पाकिस्तान के हैंडलर वीडियो भेजकर देते थे ट्रेनिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली कार धमाके और आतंकी उमर को लेकर लगातार खुलासे हो रहे हैं। दावा किया जा रहा है कि धमाका करने वाले आतंकी ने अपने किराए के मकान में ही बम बनाने की प्रयोगशाला तैयार की थी। वहीं पाकिस्तान के हैंडलर उसे ट्रेनिंग देते थे। सूत्रों का कहना है कि उसने कार में आईईडी रखी थी जो कि ठीक से असेंबल नहीं थी। यह आईईडी उसने अपने घर पर ही तैयार की थी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उमर के मकान में छापेमारी के दौरान बम की फैक्ट्री पाई गई है जिसमें कई टेस्टिंग उपकरण भी मौजूद थे। फरीदाबाद से डॉ. मुजम्मिल की गिरफ्तारी के बाद उमर की लैब के बारे में पता चला था। एक रिपोर्ट में कहा गया था कि डॉ, मुजम्मिल और डॉ.

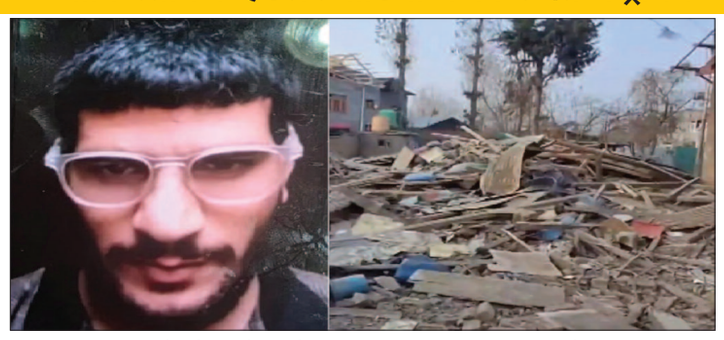

अदील पाकिस्तान में बैठे जैश के हैंडलर फैसल, हाशिम और उकाशा के साथ सीधे संपर्क में थे। वे टेलिग्राम के जरिए बात करते थे।

एजेंसियों का मानना है कि डॉ. उमर बम बनाने में एक्सपर्ट था, इसीलिए उसने अपने ही घर पर लैब बना रखी थी। पाकिस्तान से उसे वीडियो भेजे जाते थे। हैंडलर्स के निर्देश के मुताबिक ही केमिकल का इस्तेमाल करता था। जांच में फरीदाबाद में दो जगहों से 358 किलोग्राम और 2563 किलो विस्फोटक बरामद हुआ था।

यह विस्फोटक सूटकेस और बैग में पैक था। इसमें कोई भी धातु का टुकड़ा नहीं था। आम तौर पर आतंकी बम में लोहे के छर्रों का इस्तेमाल करते हैं जिससे घायल होने वालों की तादाद बढ़ जाती है। एजेंसियों का कहना है कि शनिवार को नौगाम के थाने में हुआ विस्फोट भी फरीदाबाद मॉड्यूल से जुड़ा था। फरीदाबाद से बरामद किया गया विस्फोटक नौगाम थाने में जांच के लिए रखा था। डीजीपी ने बताया था कि सैंपलिंग के दौरान ही इसमें धमाका हुआ था।

उमर फरार होने में कैसे कामयाब हो गया? एजेंसी पनाह देने वालों से कर रही पूछताछ

फरीदाबाद (एजेंसी)। 10 नवंबर को दिल्ली के लाल किले के पास आतंकी घटना को अंजाम दिया गया था, जिसमें 13 लोगों की जान चली गई और कई लोग अस्पताल में जिंदगी और मौत से लड़ रहे थे। इस घटना के तार फरीदाबाद की अल-फलाह यूनिवर्सिटी से जुड़े मिले। कुछ घंटों पहले ही जम्मू कश्मीर पुलिस ने फरीदाबाद से भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद किया था। पुलिस की जांच में सामने आया कि लाल किले के सामने कार धमाका करने वाला उमर, डॉक्टर मुजम्मिल का करीबी था, जिसे पुलिस ने पहले ही हिरासत में लिया था लेकिन सवाल यह है कि बाकी संदिग्धों के साथ उमर क्यों नहीं पकड़ा गया और वह फरार होने में कैसे कामयाब हो गया?

दरअसल 30 अक्टूबर को जम्मू कश्मीर पुलिस ने डॉक्टर मुजम्मिल को हिरासत में लिया था। उमर को तभी खतरे का आभास हो गया और वह यूनिवर्सिटी छोड़कर भाग गया। उमर और मुजम्मिल पिछले दो साल से देश में किसी बड़ी आतंकी घटना की साजिश रच रहे थे। अल-फलाह विश्वविद्यालय के ही एक इलेक्ट्रिशियन ने उसे हिदायत कॉलोनी में किराए पर घर दिलवाया था। पुलिस ने घर के मालिक को भी हिरासत में लेकर पूछताछ की है।

उमर और मुजम्मिल अपने मॉड्यूल को चलाने के लिए हवाला के जरिए पैसे भी ट्रांसफर करते थे। पुलिस उस हवाला नेटवर्क की तलाश कर रही है। दो हवाला ऑपरेटर्स की जांच भी जारी है। इसी कड़ी में पुलिस ने फरीदाबाद, नूंह समेत कई जगहों पर छापेमारी की है। यूनिवर्सिटी पर जांच एजेंसियों की पैनी नजर है। परिसर में पुलिस तैनात है। यूनिवर्सिटी में जाने-आने वाले लोगों की कड़ी निगरानी की जा रही है।

लाल क़िला मेट्रो स्टेशन के सभी गेट फिर से खुले, सामान्य हुई आवाजाही

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) ने जानकारी दी है, कि सुरक्षा समीक्षा पूरी होने के बाद लाल क़िला मेट्रो स्टेशन के सभी गेट यात्रियों के लिए खोल दिए गए हैं। स्टेशन पर अब सामान्य संचालन बहाल हो गया है।

इससे पहले शनिवार को डीएमआरसी ने चरणबद्ध तरीके से गेट नंबर दो और तीन को खोला था, जबकि शेष गेट सुरक्षा एजेंसियों की अनुमति मिलने तक बंद थे। यात्रियों की बढ़ती आवाजाही और जांच पूरी होने के बाद अब सभी एंट्री और एग्जिट पॉइंट खोल दिए गए हैं, जिससे स्टेशन पर भीड़ प्रबंधन में भी राहत मिली है। उल्लेखनीय है कि सोमवार, 10 नवंबर की शाम लाल क़िला मेट्रो स्टेशन के पास एक कार में विस्फोट हुआ था। केंद्र सरकार ने इस घटना को 'आतंकवादी हमला' करार दिया था। धमाके में कम से कम 12 लोगों की मौत हुई, जबकि कई अन्य घायल हुए थे। घटना के बाद क्षेत्र में सुरक्षा कड़ी कर दी गई थी और एहतियातन लाल क़िला मेट्रो स्टेशन को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया था। बीते दिनों एनआईए और दिल्ली पुलिस की टीमों ने घटनास्थल व आसपास के इलाके की गहन तलाशी ली। जांच में प्रगति होने और सुरक्षा स्थिति सामान्य होने के बाद स्टेशन को दोबारा खोलने का निर्णय लिया गया। मेट्रो अधिकारियों ने यात्रियों से अपील की है कि वे स्टेशन पर सुरक्षा जांच में सहयोग करें और किसी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत अधिकारियों को दें। इसके साथ ही डीएमआरसी ने आश्वासन दिया है कि यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और सभी आवश्यक कदम लगातार उठाए जा रहे हैं।

बिहार में वोट कटवा पार्टी बनी जनसुराज, महागठबंधन को पहुंचाया नुकसान

-ओवैसी की पार्टी ने किया अच्छा प्रदर्शन, तो बसपा ने भी खोला खाता

नई दिल्ली (एजेंसी)। पटना,(ईएमएस)। बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए को प्रचंड जीत हासिल हुई है। सत्ताधारी गठबंधन को 202 सीटें मिलीं, जबकि महागठबंधन सिर्फ 35 सीटें ही हासिल कर सका। दोनों खेमों के लिए यह नतीजा चौंकाने वाला रहा। कांग्रेस के महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा कि यह रिजल्ट हम सबके लिए अविश्वसनीय है। न सिर्फ कांग्रेस, बल्कि बिहार की जनता और हमारे गठबंधन सहयोगी भी इस पर विश्वास नहीं कर पा रहे हैं। किसी पार्टी का 90फीसदी स्ट्राइक रेट हो, ऐसा कभी नहीं हुआ। हम पूरे बिहार से डेटा इकट्ठा कर रहे हैं और गहन विश्लेषण करेंगे।

राजनीतिक रणनीतिकार से राजनेता बने प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी पहली बार मैदान में उतरी। भले ही पार्टी एक भी सीट नही जीत सकी, लेकिन 3.4 फीसदी वोट हासिल किए हैं। जन सुराज का खाता तो नहीं खुला, लेकिन दोनों गठबंधनों के लिए वोट कटवा साबित हुई। पीके की पार्टी ने जिन 238 सीटों

पर चुनाव लड़ा, वहां एक सीट पर दूसरे स्थान पर रही। 129 पर तीसरे, 73 पर चौथे, 24 पर पांचवें और 12 पर छठे से नौवें स्थान के बीच रही। इस तरह पार्टी ने दोनों एनडीए और एमजीबी को नुकसान पहुंचाया। 33 विधानसभाओं में जन सुराज का वोट शेयर जीत के अंतर से ज्यादा था। इनमें से 18 पर एनडीए और 13 पर महागठबंधन जीता।

वहीं बहुजन समाज पार्टी ने 181 सीटों पर चुनाव लड़ा। एक सीट जीती और एक पर दूसरे स्थान पर रही। बरसों से इंडिया गठबंधन की पार्टियां बसपा पर बीजेपी की बी-टीम होने का आरोप लगाती रही हैं। यूपी विधानसभा और लोकसभा चुनावों के बाद ये आरोप और तेज हो गए। बिहार के नतीजों से संकेत मिलता है कि मायावती की बसपा ने महागठबंधन को एनडीए से ज्यादा नुकसान पहुंचाया। 20 सीटों पर बसपा ने जीत के अंतर से ज्यादा वोट हासिल किए। इनमें से 18 पर एनडीए और सिर्फ 2 पर एमजीबी जीती। मायावती की मौजूदगी ने 90 फीसदी मामलों में एनडीए के पक्ष में काम किया।

असदुद्दीन ओवैसी की एआईएमआईएम ने बिहार में काफी अच्छा प्रदर्शन किया और 5 सीटें जीतीं। इसने 2020 के प्रदर्शन को बरकरार रखा। एआईएमआईएम एक सीट पर दूसरे स्थान पर भी रही। इसने 9 विधानसभाओं के नतीजों को प्रभावित किया, जहां इसके वोट जीत के अंतर से ज्यादा थे। इनमें से 67फीसदी सीटें एनडीए के पास गईं और 33फीसदी एमजीबी के पास। चुनावी नतीजों से संकेत मिलता है कि तीन-तरफा मुकाबला एनडीए के लिए काफी फायदेमंद साबित हुआ। आरजेडी को 23.4फीसदी वोट मिले लेकिन सिर्फ 25 सीटें हासिल हुईं। बीजेपी ने 20.4फीसदी और जेडीयू 19.6फीसदी वोट शेयर के साथ तीन गुना ज्यादा सीटें हासिल हुईं। इससे पता चलता है कि एनडीए ने अपने वोट बैंक को एकजुट किया जबकि विपक्ष का वोट बिखर गया।

संदिग्ध आतंकी जुबैर हंगरगेकर के मोबाइल में बड़ा राज, पाकिस्तान कनेक्शन का खुलासा

पुणे (एजेंसी)। संदिग्ध आतंकी जुबैर हंगरगेकर की कॉन्टैक्ट लिस्ट में पाकिस्तानी नंबर मिलने की जानकारी सामने आई है। जुबैर हंगरगेकर के मोबाइल की कॉन्टैक्ट लिस्ट में 5 अंतरराष्ट्रीय नंबर मिले हैं। हंगरगेकर के पुराने और इस्तेमाल किए गए हैंडसेट में खाड़ी देशों के नंबर मिले हैं। बताया जा रहा है कि पुराने हैंडसेट में 1 नंबर पाकिस्तान का, 2 नंबर सऊदी अरब के, 1 नंबर ओमान का और 1 नंबर कुवैत का है। देखा गया है कि इस्तेमाल किए गए मोबाइल में ओमान का 1 नंबर और सऊदी अरब के 4 नंबर सेव हैं। इस नंबर के बारे में पूछे जाने पर हंगरगेकर ने पूछताछ के दौरान पूछे गए एक सवाल के जवाब में कहा कि उन्हें इसकी जानकारी नहीं है। एक अधिकारी के अनुसार संदिग्ध आतंकी जुबैर हंगरगेकर को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। आपको बता दें कि जुबैर इलियास हंगरगेकर को आतंकवादी संगठन अलकायदा इन इंडियन सबकॉन्टिनेंट (एक्यूआइएस) के समर्थन में जिहाद फैलाने और देश की एकता व सुरक्षा को खतरे में डालने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। मूल रूप से महाराष्ट्र के सोलापुर के रहने वाले हंगरगेकर फिलहाल कल्याणीनगर स्थित एक सॉफ्टवेयर कंपनी में काम करता था। वह शादीशुदा हैं और उसके दो बच्चे हैं। उसका परिवार पुणे के कोंढवा इलाके में रहता है। इस बीच, एटीएस मामले की गहन जाँच कर रही है और यह पता लगा रही है कि क्या हंगरगेकर का अलकायदा सदस्यों से कोई संबंध था, उसके पास यह सामग्री क्यों और किस उद्देश्य से थी। पुलिस उसके दोस्त से भी पूछताछ करेगी और उसके मोबाइल व अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की जाँच करेगी। यह भी पता लगाया जा रहा है कि क्या वह किसी अन्य आतंकवादी संगठन के संपर्क में था। ये सभी अंतरराष्ट्रीय नंबर जुबैर हंगरगेकर के लिए महत्वपूर्ण हैं और अनुमान लगाया जा रहा है कि उसका आतंकवादी कनेक्शन सामने आ सकता है। हालाँकि, इस नंबर के बारे में पूछे जाने पर हंगरगेकर ने गोलमोल जवाब दिया है कि उसे नहीं पता कि यह नंबर किसका है या इसका क्या संबंध है।

एटीएस अधिकारियों ने कहा, हंगरगेकर का अल-कायदा सदस्यों से संपर्क था या नहीं और उस संपर्क का उद्देश्य क्या था, इसकी जाँच चल रही है। हम यह भी पता लगा रहे हैं कि उसके पास अल-कायदा की सामग्री क्यों और किस उद्देश्य से थी। उसकी हिरासत में मौजूद उसके दोस्त से पूछताछ की जाएगी और उसके मोबाइल व अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की भी जाँच की जाएगी। यह भी पता लगाया जा रहा है कि क्या वह किसी अन्य आतंकवादी संगठन के संपर्क में आया था। इस बीच, एटीएस ने इस महीने की शुरुआत में शहर के विभिन्न इलाकों में तलाशी अभियान चलाया था। यह अभियान आईएसआईएस के एक पुराने मॉड्यूल की जाँच से जुड़ा था। उस समय संदिग्ध कट्टरपंथी व्यक्तियों पर नज़र रखी जा रही थी। इस अभियान के दौरान 19 लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया था, लेकिन पूछताछ के बाद उन्हें छोड़ दिया गया। इन छापों के दौरान पुलिस ने इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के साथ कुछ महत्वपूर्ण दस्तावेज़ भी ज़ब्त किए थे।

भारत-नेपाल सीमा से अवैध रुप से प्रवेश कर रहे दो ब्रिटिश नागरिक गिरफ्तार

-दो डॉक्टर हैं और नेपालगंज अपने डॉक्टर मित्र से मिलने आए थे

बहराइच (एजेंसी)। दिल्ली में लाल किले के पास हुए कार धमाके के बाद से पुलिस और जांच एजेंसियां अलर्ट हैं। यूपी के कई शहरों में भी जांच चल रही है। ताबड़तोड़ छापे मारे जा रहे हैं। इस बीच बहराइच में भारत-नेपाल सीमा से भारतीय सीमा में घुसपैठ कर रहे दो ब्रिटिश नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें एक 35 साल का पाकिस्तानी मूल का युवक और दूसरी 61 साल की महिला जो भारतीय मूल (उड्डपी कर्नाटक) की ब्रिटिश नागरिक है। दोनों को उसय गिरफ्तार किया गया, जब वह बिना किसी वैध वीजा के भारत में प्रवेश कर रहे थे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस और एसएसबी ने दोनों कोर्ट में पेश किया। ऐसा बताया जा रहा कि यह डॉक्टर हैं। यह भी कहा जा रहा है कि वे नेपालगंज में अपने डॉक्टर मित्र से मिलने आए थे। हालांकि पुलिस ने इसकी पुष्टि नहीं की है। दोनों की पहचान सुमित्रा ओलिविया (61) पुत्री जान फ्रेडरिक सुमित्रा निवासी मूल रूप से उड्पी कर्नाटक, ब्रिटिश पासपोर्ट होल्डर और ओसीआई कार्ड होल्डर है। उसका वर्तमान पता 25 हरकॉम्ब ड्राइव, ग्लौकेस्टर यूनाइटेड किंगडम है और हस्सन अम्मान (35) पुत्र मोहम्मद सलीम (पाकिस्तानी मूल) वर्तमान निवासी ए-1 डलमोरटन रोड मैनचेस्टर यूनाइटेड किंगडम के रूप में हुई है। दोनों को वैध दस्तावेजों के अभाव में प्राथमिकी दर्ज कर कोर्ट बहराइच भेज दिया है।

रिपोर्ट के मुताबिक रुपईडीहा थानाध्यक्ष ने बताया कि शनिवार सुबह 10 बजे नेपालगंज से रुपईडीहा आ रहे दोनों को शक के आधार पर पूछताछ की। इन दोनों को रोककर इनके प्रपत्र देखे गए तो पता लगा कि इनके पास भारत प्रवेश के कोई दस्तावेज ही नहीं है। दोनों पर कानून के तहत कार्रवाई की गई है।

आग बुझाते वक्त पानी में बहे सबूत ! दिल्ली धमाके वाली जगह पर मिले प्रतिबंधित कारतूस

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल ही में हुए दिल्ली धमाके की जांच काफी तेजी से चल रही है। अब तक करीब 3 तीन दर्जन आरोपियों को इस मामले में गिरफ्तार किया जा चुका है। इस मामले में एनएसजी ने अपनी सीलबंद रिपोर्ट केंद्रीय गृह मंत्रालय समेत संबंधित जांच एजेंसी को सौंप दी है। सूत्रों का कहना है कि बम में किस-किस विस्फोटक का इस्तेमाल किया गया और इसके कुछ और इंटरनल पहलुओं की जांच के आधार पर रिपोर्ट तैयार की गई है। जिस पर एजेंसियों ने काम करना शुरू कर दिया है। हालांकि, सूत्रों ने यह भी बताया है कि धमाके के बाद फायर ब्रिगेड ने आग बुझाने के लिए इतना पानी इस्तेमाल किया कि उसमें धमाके के काफी अहम सबूत बह गए। जिससे सैपल जुटाने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ी।

इधर, मामले की जांच कर रही राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) दिल्ली से लेकर फरीदाबाद और श्रीनगर समेत कई अन्य शहरों में संदिग्धों के ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। अभी तक 50 डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ समेत 150 लोगों से पूछताछ की जा चुकी है। जम्मू-कश्मीर पुलिस द्वारा पकड़े गए आठों आरोपियों और बम धमाके में मारे गए डॉक्टर उमर के मोबाइल फोन और लोकेशन के आधार पर इन क्लू की सीक्वेंस मिलाई जा रही है। एनआईए की एक टीम अब आधिकारिक रूप से जम्मू-कश्मीर स्टेट इन्वेस्टिगेशन एजेंसी के साथ गिरफ्तार आठों आरोपियों से पूछताछ में शामिल हो गई है। कुछ कारों में बम प्लांट करने और अन्य जगह पर भी विस्फोटक छिपाए जाने का शक है। फरीदाबाद और जम्मू-कश्मीर ही नहीं बल्कि दिल्ली, लखनऊ और अन्य शहरों के भी कुछ डॉक्टरों के डेटा खंगाले जा रहे हैं। एनआईए ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के उत्तर दिनाजपुर जिले में लुधियाना निवासी जनीसुर आलम को गिरफ्तार किया था। जिसके दिल्ली विस्फोट लिंक से संबंध तलाशे जा रहे है।

धमाके वाली जगह पर मिले प्रतिबंधित कारतूस

बारीकी से हो रही जांच में पता चला है कि धमाके वाली जगह पर प्रतिबंधित कारतूस मिले हैं। दिल्ली पुलिस के सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, धमाके की जांच के दौरान घटनास्थल पर गहन तलाशी ली गई। इसी तलाशी अभियान के दौरान ये तीन कारतूस बरामद हुए। इन कारतूसों को देखते हुए, यह स्पष्ट है कि ये किसी सामान्य नागरिक के पास नहीं हो सकते। इनकी मौजूदगी सुरक्षा एजेंसियों के लिए चिंता का विषय है और यह सवाल खड़ा करती है कि ये प्रतिबंधित हथियार और कारतूस धमाके वाले स्थान तक कैसे पहुंचे। पुलिस अब इन कारतूसों के स्रोत का पता लगाने के लिए सक्रिय रूप से जांच कर रही है। आशंका है कि इनका संबंध किसी बड़ी साजिश का हिस्सा हो सकता है? कारतूसों की फॉरेंसिक जांच की जा रही है ताकि इनसे जुड़ी कोई भी महत्वपूर्ण जानकारी जुटाई जा सके।

संपादकीय

महंगाई में कमी

सरकारी आंकड़े हमेशा सार्वजनिक विमर्श में रहते हैं। राहत और तरक्की के दावे विभिन्न सरकारों के दौर में अकसर सामने आते हैं। टकसाली सत्य यही है कि राहत व तरक्की का जमीनी प्रभाव भी नजर आना चाहिए। मसलन, जिस जनहित की बात की जा रही है, उसका अहसास भी आमजन को होना चाहिए। प्रथम दृष्टया यह राहतकारी माना जाना चाहिए कि देश में खुदरा महंगाई की दर में गिरावट दर्ज की गई है। बताया जा रहा है कि अक्तूबर में देश की मुद्रास्फीति की दर घटकर 0.25 रह गई है। यह स्थिति साल 2013 के बाद से सबसे कम बताई जा रही है। जाहिर है सरकार ने इसे अपनी बड़ी उपलब्धि माना है। सरकार का दावा है कि मुद्रास्फीति में यह बड़ी गिरावट कीमतों पर मजबूत नियंत्रण और कुशल वित्तीय प्रबंधन को ही दशार्ती है। लेकिन वहीं दूसरी ओर आम परिवारों के लिये इस राहत का अहसास करना इतना भी आसान नहीं है। दरअसल, मुद्रास्फीति में इस गिरावट में मुख्य रूप से खाद्य पदार्थों की कम कीमतों की भूमिका देखी जा रही है। वहीं दूसरी ओर हाल ही में की गई जीएसटी दरों में कटौती का प्रभाव भी बताया जा रहा है। जिसके चलते उपभोक्ता वस्तुओं की कीमतों में गिरावट आई है। वहीं दूसरी ओर मुद्रास्फीति में यह तीव्र गिरावट पिछले साल की ऊंची कीमतों के आधार प्रभाव को भी दशार्ती है, जो शायद लंबे समय तक न रहे। प्रथम दृष्टया भले ही यह प्रभावशाली लगे, लेकिन कई लोग अभी भी उच्च घरेलू खर्चों का दबाव महसूस कर रहे हैं। दूध, दालों और सब्जियों जैसी रोजमर्रा की वस्तुओं की कीमतों में अभी भी उतार-चढ़ाव देखा जा रहा है। जिससे लोगों का पारिवारिक बजट प्रभावित हो रहा है। इसलिए, जहां समग्र मुद्रास्फीति दर में गिरावट आई है, वहीं आम लोगों के लिये व्यावहारिक जीवन यापन की लागत में उसी तरह की गिरावट महसूस नहीं की जा रही है। वैसे देखा जाए तो भारतीय रिजर्व बैंक यानी आरबीआई के लिये यह स्थिति राहत और चुनौती दोनों ही लेकर आ रही है।

दरअसल, ध्यान देने योग्य बात यह है कि मुख्य मुद्रास्फीति, जिसमें खाद्य और ईंधन शामिल नहीं हैं, ऊंची बनी हुई है। जो यह भी दशार्ती है कि मूल्य दबाव पूरी तरह से कम नहीं हुआ है। ऐसे में फुटकर मुद्रास्फीति इतनी कम होने के कारण उद्योग जगत की तरफ से दलील दी जा सकती है कि भारतीय रिजर्व बैंक दिसंबर की अपनी बैठक में उधार लेने और खर्च को प्रोत्साहित करने के लिये बैंक ब्याज दरों में कटौती पर विचार करे। लेकिन केंद्रीय बैंक को इस दिशा में सावधान भी रहना होगा। यदि केंद्रीय बैंक इस दिशा में कोई कदम उठाता है तो मुद्रास्फीति फिर से बढ़ भी सकती है। खासकर, अगर वैश्विक तेल की कीमतों में कोई अप्रत्याशित उछाल आ जाता है। वहीं दूसरी ओर यदि वैश्विक अनिश्चितता के माहौल में रुपया कुछ कमजोर होता है। वैसे देखा जाए तो इस दौरान, मुद्रास्फीति में गिरावट का बेहतर ढंग से उपयोग मांग बढ़ाने, आय बढ़ाने और खाद्य कीमतों को स्थिर बनाने में भी किया जा सकता है। इसमें दो राय नहीं कि किसी भी देश में मुद्रास्फीति की कम दर एक छोटी अवधि में विकास को पुनर्जीवित करने में मदद भी कर सकती है।

सफेद कालर के आतंकियों ने देश के भरोसे को तोड़ दिया!

मनोज कुमार अग्रवाल

राजधानी दिल्ली में लाल किले के पास हुए विस्फोट ने देश की सुरक्षा व्यवस्था को गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा कर दिया है, क्योंकि जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ रही है, वैसे-वैसे आतंकवाद की भयावह परतें खुलती जा रही हैं। जिन खतरनाक खुलासों का पदार्फाश हो रहा है, वे सिर्फ चिंता नहीं, बल्कि आतंक के बदलते स्वरूप की भयावह तस्वीर पेश करते हैं। जो नया खुलासा हुआ है, निःसंदेह प्रत्येक देशवासी को दहशत में में डालने वाला है, क्योंकि आतंकी देश के एक एक या दो जगहों में नहीं, बल्कि 32 जगहों में धमाके करने वाले वाले थे। यह सोच कर ही रूह कांप जा रहा है कि अगर आतंकी अपने मनसूबे में कामयाब हो जाते, तो फिर क्या होता। इससे एक बात यह भी साफ हो जाती है कि आतंकी अपना नेटवर्क पूरे देश में फैल चुका है। इसके साथ यह साफ हो गया है कि अब आतंकवाद किसी सीमित दायरे का मुद्दा नहीं, बल्कि ऐसे व्हाइट कॉलर नेटवर्क का रूप ले चुका है जिसके तार देश के प्रतिष्ठित संस्थानों, शिक्षण केंद्रों और उच्च शिक्षा प्राप्त वर्ग तक फैले हुए हैं।सफेद कोट और चिकित्सा जैसे पवित्र पेशे से जुड़े करीब दस उच्च शिक्षा प्राप्त डिग्री धारी डॉक्टर अब तक इस आतंकी साजिश की कड़ी में लिप्त मिल चुके हैं इस वारदात ने पहली बार डॉक्टर जैसे पवित्र पेशे पर आम आदमी के विश्वास और भरोसे को मटियामेट कर दिया है। वहीं एक संप्रदाय विशेष पर भी विश्वास का संकट पैदा करने के हालात बनाने का नापाक काम किया है खासकर काश्मीर मुस्लिमों को अब देश दुनिया भर में शंका की नजर झेलनी होगी। आपको बता दें कि अभी तक की जांच में पता चला है कि साजिश करने वाले आतंकी देश भर के विभिन्न स्थानों पर तैतीस गाडियों में विस्फोट करने का षडयंत्र कर रहे थे पहले इस मामले में सिर्फ चार गाड़ियों की बात सामने आई थी, लेकिन जांच एजेंसियों के नए इनपुट ने आतंकियों की योजना की व्यापकता को उजागर कर दिया है। ये गाड़ियां सिर्फ वाहन नहीं, आतंक की चलती फिरती फैक्टरियां थीं- जिनमें आई 20, मारुति सुजुकी ब्रेजा, स्विफ्ट डिजायर और फोर्ड इकोस्पोर्ट जैसी पुरानी कारों का इस्तेमाल किया जा रहा था। इन गाड़ियों को कई हाथों में ट्रांसफर किया गया था, ताकि पुलिस साजिशकताओं तक न पहुंच सके। यह तरीका आतंकियों की चालाकी के साथ-साथ उनके व्यापक नेटवर्क की पुष्टि करता है। जांच में सामने आया है कि यह पूरी पूरी साजिश 6 दिसंबर को अयोध्या में हुई बाबरी मस्जिद विध्वंस की बरसी पर बदला लेने की नीयत नीयत से रची गई थी। 33 साल पुराने घटना का हवाला देकर आज भी देश को अस्थिर करने की कोशिशें जारी हैं, यह अपने आप में बेहद चिंताजनक है। इसके अलावा पहले इस धमाके को शुरू में एक स्थानीय घटना माना जा रहा था, लेकिन अब इसके तार अंतरराष्ट्रीय आतंकी नेटवर्क से जुड़ते नजर आ रहे हैं। और इससे भी अधिक चिंता की बात यह है कि यह साजिश किसी एक हमले तक सीमित नहीं थी, चल्कि देशभर में दहशत फैलाने की एक विस्तृत योजना का हिस्सा थी। जांच एजेंसियों के अनुसार, जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े मॉड्यूल ने न केवल हथियार और विस्फोटक जुटाए थे, बल्कि 32 कारों को आईईडी से लैस कर आत्मघाती धमाकों के लिए तैयार किया जा रहा था। यह संयोग नहीं है कि इन कारों का उपयोग 6 दिसंबर को, बाबरी मस्जिद विध्वंस की बरसी पर, विभिन्न जगहों पर धमाके करने के लिए होना था। कई प्रमुख स्थानों को निशाना बनाया जाना था जिनमें सिर्फ दिल्ली में छह प्रमुख लोकेशन शामिल थीं। यह स्पष्ट संकेत है कि आर्तकियों का मकसद सिर्फ दहशत फैलाना नहीं, बल्कि देश को कई मोर्चों पर अस्थिर करना था। इस पूरी साजिश को और गंभीर बनाता है इसका अंतरराष्ट्रीय पहलू। जांच एजेंसियों का मानना है कि तुर्किये में बैठे एक हैंडलर से उमर नवी लगातार संपर्क में था। हैंडलर का कोड नेम उकासा था। जांच में खुलासा हुआ है कि उमर 2022 में तुर्किये गया था, जहां उसने जैश-ए-मोहश्वमद और अंसार गजवत-उल-हिंद से जुड़े लोगों के साथ सीक्रेट मीटिंग की। टेलीग्राम से शुरू हुई बातचीत एन्क्रिप्टेड ऐप्स तक पहुंची, और वहीं कारों में विस्फोटक भरकर दिली और अयोध्या जैसे शहरों को दहलाने की साजिश रची गई। सुरक्षा सूत्रों के अनुसार, उकासा दिल्ली स्थित मॉड्यूल और प्रतिबंधित संगठनों जैश-ए-मोहम्मद और अंसारगजत उल हिंद के हैंडलरों के बीच मुख्य कड़ी के रूप में काम करता था। अधिकारियों ने बताया कि यह साजिश 2022 की शुरूआत शुरूआत में तुर्की में रची गई थी, जहां उमर और तीन अन्य जो सभी पाकिस्तान समर्थित दो समूहों से जुड़े थे, वहां गए थे। उमर मार्च 2022 में तुर्किये गया था और दो हफ्ते अंकारा में रहा था। उकासा ने ही उन्हें सीक्रेट सेल बनाने और डिजिटल फुटप्रिंट से बचने का तरीका बताया था। कथित तौर पर इस ऑपरेशन के लिए तीन कारें, एक हुंडई आई 20, एक लाल रंग की फोर्ड इकोस्पोर्ट और एक मारुति ब्रेजा खरीदी गई थीं। स्ट है कि आतंकवादी नेटवर्क की गतिविधियां अब सीमापार फैले हुए संरचनात्मक सहयोग से चल रही हैं। यह भी स्पष्ट हो चुका है कि भारत में स्लीपर सेल का जाल पहले से अधिक गंभीर व खतरनाक रूप ले चुका है।ऑपरेशन सिंदूर के बाद यह माना जा रहा था कि आतंकवादी संगठन भारत की धरती पर कोई बड़ा हमला करने की हिम्मत नहीं करेंगे। लेकिन इस घटना ने उस धारणा को पूरी तरह बदल दिया है। इस पूरी जांच का सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि यह कैसे संभव हुआ कि आतंकियों को दिल्ली जैसे शहर में सहानुभूति के ठिकाने मिल सके ? कश्मीर में दशकों से कुछ क्षेत्रों में आतंकी नेटवर्किंग के प्रति सहानुभूति का वातावरण बनता रहा है, जिससे आर्तकियों को पनाह मिलती रही। लेकिन दिल्ली में ऐसा कोई इतिहास नहीं रहा है। ऐसे में यह सवाल और भी पेचीदा हो जाता है है कि आखिर आर्तकियों ने यहां कैसे अपने नेटवर्क को सक्रिय किया और कैसे स्थानीय सहयोग हासिल किया? यह बात साफ दिखाती है कि सुरक्षा एजेंसियों को अब आतंकवाद के स्थानीय और अंतरराष्ट्रीय दोनों आयामों को नए सिरे से समझने की आवश्यकता है। अब आवश्यकता इस बात की है कि जांच केवल आरोपियों को पकड़ने तक सीमित न रहे, बल्कि उससे आगे जाकर यह समझा जाए कि सिस्टम की ऐसी कौन-सी कमजोरियां हैं जिनका फायदा उठाकर आर्तकियों ने इतनी बड़ी साजिश को जन्म दिया। यह भी अत्यंत जरूरी है कि देश की सुरक्षा प्रणाली में ऐसी दीर्घकालिक रणनीति तैयार की जाए जो आतंकवाद को केवल जड़ से उखाड़े ही नहीं, बल्कि उसकी संभावनाओं को भी समाप्त कर दे। आतंकवाद के खिलाफ प्रभावी लड़ाई केवल सुरक्षा एजेंसियों के बल पर नहीं लड़ी जा सकती। इसके लिए प्रशासन, खुफिया एजेंसियों और नागरिक समाज के बीच बेहतर तालमेल की आवश्यकता है। सबसे अहम बात यह है कि जनता की भागीदारी सुनिश्चित हो। किसी भी समाज में आतंकवादी विचारधारा तभी पनपती है जब उसे स्थानीय समर्थन या सहानुभूति मिलती है। इसलिए यह आवश्यक है कि ऐसे तत्वों की पहचान कर उन्हें सामाजिक रूप से अलग-थलग किया जाए। सुरक्षा रणनीति में यह भी स्पष्ट होना चाहिए कि भारत-विरोधी तत्व चाहे वे सक्रिय हों अथवा स्लीपर सेल को निष्प्रभावी करने के लिए बहु-स्तरीय योजना काम में लाई जाए। इसके तहत निगरानी तंत्र को आधुनिक तकनीक से लैस करना, अंतरराष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करना और संवेदनशील स्थानों पर सुरक्षा ढांचे को और सुदृढ़ बनाना शामिल होना चाहिए। यह विस्फोट एक चेतावनी है कि आतंकवाद ने अपना रूप, साधन और संचालन का ढांचा बदल लिया है।

लोकतंत्र में मतदाता सूची की शुचिता का प्रश्न और एसआईआर की अनिवार्यता

डॉ. प्रियंका सौरभ

भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, जहाँ शासन की असली शक्ति जनता के हाथों में निहित मानी जाती है। यहाँ सरकार जनता द्वारा चुनी जाती है और संविधान की स्पष्ट व्यवस्था के अनुसार यह प्रक्रिया चुनाव आयोग की निष्पक्ष संरचना और उसकी कार्यशैली द्वारा संचालित होती है। मतदाता सूची इस पूरी प्रक्रिया की आधारशिला है-क्योंकि उसी के माध्यम से नागरिक अपने मताधिकार का प्रयोग करते हैं। इसलिए मतदाता सूची की विश्वसनीयता और शुचिता लोकतंत्र की स्थिरता के लिए अत्यंत आवश्यक है। यही संदर्भ विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया-स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर)-को अत्यधिक महत्वपूर्ण बनाता है।

मतदाता सूची में त्रुटियाँ कई रूपों में सामने आती हैं-मृत व्यक्तियों के नाम, एक व्यक्ति का दो स्थानों पर नाम, पात्र मतदाताओं के नाम का गायब होना, या पते के परिवर्तन के बावजूद संशोधन न होना। ऐसी स्थिति चुनावों की निष्पक्षता पर प्रश्नचिह्न खड़े करती है। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 324 चुनाव आयोग को व्यापक अधिकार देता है, जिसमें चुनाव संचालन, नियंत्रण, निर्देशन और पर्यवेक्षण शामिल हैं। अतः एसआईआर केवल एक प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि संवैधानिक रूप से स्थापित लोकतांत्रिक दायित्व है।

1950 में संविधान लागू होने के बाद से ही चुनाव आयोग नियमित रूप से मतदाता सूची में संशोधन करता रहा है। कुछ राज्यों में एसआईआर के दौरान बड़ी मात्रा में मृतकों के नाम हटाए गए, गलत प्रविष्टियाँ सुधारी गईं, और स्थानांतरित या नए पात्र मतदाताओं को सूची में जोड़ा गया। बिहार और बंगाल में हुए पुनरीक्षणों के उदाहरण बताते हैं कि लंबे समय से निष्क्रिय पड़े नामों को हटाने से मतदाता सूची अधिक वास्तविक और पारदर्शी बन सकी। बंगाल में 7.6 करोड़ मतदाताओं की सूची में से लगभग 47 लाख नाम हटाए गए, जिससे पता चलता है कि अगर नियमित संशोधन न हो तो सूची कितनी विकृत हो सकती है।

मतदाता सूची में त्रुटियाँ केवल तकनीकी समस्या नहीं-वे चुनावी निष्पक्षता, प्रतिनिधित्व के अधिकार और जनविश्वास पर सीधा आघात करती हैं। यदि किसी नागरिक का नाम सूची से गायब है, तो वह अपने मौलिक लोकतांत्रिक अधिकार-मताधिकार-से वंचित हो जाता है। दूसरी ओर, मृतकों या स्थानांतरित लोगों के नाम बने रहने से फर्जी मतदान या राजनीतिक दुरुपयोग की आशंका बढ़ती है। इन विसंगतियों से लोकतंत्र की वैधता कमजोर होती है।

कुछ लोग एसआईआर को राजनीतिक हस्तक्षेप या सरकार द्वारा मतदाता सूचियों में हस्तक्षेप के रूप में देखने लगते हैं, जबकि यह शंका तथ्यहीन है। मतदाता सूची का शुद्धिकरण किसी दल की जीत या हार के लिए नहीं, बल्कि निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया के लिए आवश्यक है। चुनाव आयोग पूर्णतः स्वायत्त संस्था है और उसके निर्णय न्यायालयों द्वारा भी संरक्षित माने जाते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कई फैसलों में स्पष्ट कहा है कि निष्पक्ष चुनाव लोकतंत्र की आधारशिला है और इसके लिए मतदाता सूची की शुचिता सुनिश्चित करना अनिवार्य है।

एसआईआर के दौरान नागरिकों की सक्रिय भागीदारी भी महत्वपूर्ण है। यदि लोग स्वयं अपनी प्रविष्टियों की जाँच न करें, त्रुटियाँ सम्बंधित बूथ लेवल अधिकारियों को न बताएं, और दस्तावेज उपलब्ध न कराएं तो प्रक्रिया धीमी हो जाती है। आज भी बड़ी संख्या में ऐसे नागरिक हैं जिनके नाम गलत होने पर वे स्वयं सुधार के लिए आगे नहीं आते। यह उदासीनता लोकतंत्र को कमजोर करती है। इसलिए चुनाव आयोग ने डिजिटल साधनों-जैसे वोटर हेल्पलाइन ऐप, ऑनलाइन फॉर्म, पोर्टल-का उपयोग बढ़ाया है ताकि लोग आसानी से संशोधन कर सकें।

एसआईआर के विरोध करने वालों को यह समझना चाहिए कि यह प्रक्रिया मतदाता सूची में विसंगतियों को दूर करने, फर्जी मतदान रोकने और सही मतदाता आधार सुरक्षित करने के लिए है। जिन राज्यों में यह प्रक्रिया रोकी गई या राजनीतिक विवाद के कारण ठप हो गई, वहां मतदाता सूची में भारी त्रुटियाँ पाई गईं। ऐसे मामलों में न्यायालयों ने स्वयं दिशा-निर्देश जारी कर मतदाता सूची के शुद्धिकरण की आवश्यकता दोहराई है। अतः एसआईआर का विरोध लोकतांत्रिक मूल्यों का विरोध है।

भारत जैसे विशाल देश में जहाँ 96 करोड़ से अधिक मतदाता हैं, वहां मतदाता सूची का अद्यतन एक अत्यंत जटिल, विशाल और सतत प्रक्रिया है। इसे केवल सरकारी जिम्मेदारी मानना पर्याप्त नहीं; यह नागरिक कर्तव्य भी है। चुनाव आयोग केवल ढाँचा देता है, लेकिन उसे प्रभावी बनाने का दायित्व जनता के सहयोग पर निर्भर है। मतदाता सूची में अपनी प्रविष्टि को सही रखना उतना ही महत्वपूर्ण है जितना मतदान के दिन वोट देना।

अंततः, लोकतंत्र केवल मतदान का दिन नहीं-पूरी व्यवस्था का नाम है। इस व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के लिए मतदाता सूची की शुचिता सर्वोपरि है। एसआईआर यही सुनिश्चित करता है कि चुनाव निष्पक्ष, पारदर्शी और विश्वसनीय हों। यह लोकतांत्रिक प्रणाली की आत्मा को जीवित रखता है और नागरिकों के अधिकारों को सुरक्षित करता है। इसलिए मतदाता सूची के नियमित शुद्धिकरण को लेकर जागरूकता बढ़ाना, नागरिकों को भागीदारी के लिए प्रेरित करना और एसआईआर जैसी प्रक्रियाओं को सहयोग देना हर जिम्मेदार नागरिक का कर्तव्य है।

चिंतन-मनन

समता की अनुभूति

मनोबल के विकास का दूसरा सूत्र बताया गया है- स्व दर्शन समता का दर्शन या परमात्मा का दर्शन। प्रांस की यूनिवर्सिटी का एक प्रोफेसर अहंकार में आकर बोला, मैं दुनिया का सर्वश्रेष्ठ आदमी हूं। किसी ने पूछ लिया-यह कैसे? उसने कहा, प्रांस दुनिया का सर्वश्रेष्ठ देश है। पेरिस प्रांस का सर्वश्रेष्ठ नगर और हमारा विश्वविद्यालय हमारे नगर का सर्वश्रेष्ठ क्षेत्र। दर्शन का विभाग उसमें सर्वश्रेष्ठ। मैं उसका अध्यक्ष। इसलिए मैं सर्वश्रेष्ठ आदमी। यह कैसा गणित है! हमारी दृष्टि जब दूसरों की ओर जाती है तो यही निष्कर्ष निकलता है कि हम दूसरों को काटते जाते हैं, तोड़ते जाते हैं और दूसरों के संदर्भ में हम अपने को सर्वश्रेष्ठ प्रतिष्ठापित करते जाते हैं। इसके अतिरिक्त कोई निष्कर्ष निकलता ही नहीं है। जब स्व-दर्शन में आदमी आता है तो उसे अनुभव होता है कि न प्रांस सर्वश्रेष्ठ, न पेरिस सर्वश्रेष्ठ, न विश्वविद्यालय सर्वश्रेष्ठ, न दर्शन का विभाग सर्वश्रेष्ठ और न विभागाध्यक्ष। सब समान है। सब व्यक्ति समान, सब देश समान, सब राष्ट्र समान और सब आत्माएं समान।

जो समता के क्षण में जाता है, उसे यह नहीं लगता कि यह अलग, वह अलग। उसे लगता है कि सब मेरे-जैसे हैं। यह समान ही समान का गणित ?सा चलता है कि अनन्त में से अनंत निकालो तो भी पीछे अनन्त ही रहेगा। अनन्त में अनन्त मिलाओ तो भी अनन्त ही रहेगा। समता में मिलाते जाओ, निष्कर्ष समता। यह समता की अनुभूति जब जागती है, तब एक विचित्र अनुभव होता है। उसे जगाने का जो सूत्र है, वह मनोबल को जगाने का परम सूत्र होता है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

एनडीए की 'सुनामी' को भांपने में क्यों फेल हुए एग्जिट पोल?

नीतियों, संख्या-शास्त्र और राजनीतिक सामाजिक रुझानों को समझने का दावा करने वाले एग्जिट पोल्स एक बार फिर बिहार के जनादेश के सामने बुरी तरह धराशायी हो गए। यह वही बिहार है, जहां जनता की राजनीतिक सूझबूझ देशभर में मिसाल मानी जाती है और इसी बिहार ने 2025 के विधानसभा चुनाव में एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि मतदाता का मन कागजों, ग्राफों और टीवी स्टूडियो की चचाओं से नहीं पढ़ा जा सकता। लगभग दो दर्जन एजेंसियों ने अपने-अपने अनुमानों की बौछार कर दी थी लेकिन नतीजों ने इनकी तथाकथित वैज्ञानिकता का मुखौटा एक झटके में उतारकर फैंक दिया। मतदान के बाद तमाम टीवी चैनलों पर जोर-शोर से दावे किए जा रहे थे कि इस बार तस्वीर साफ है, रुझान स्थिर हैं और रणनीति मजबूत है परन्तु असलियत यह थी कि वैज्ञानिक 'सैम्पलिंग' के नाम पर केवल अनुमान बेचे जा रहे थे और इन अनुमानों का आधार जमीन से ज्यादा स्टूडियो-केन्द्रित 'कॉलिनियरिटी' था।

हालांकि बिहार के दो चरणों वाले चुनाव में भारी मतदान ने यह संकेत पहले ही दे दिया था कि इस बार कुछ अलग ही लहर है लेकिन यह लहर कितनी प्रचंड होगी, इसे कोई भी एजेंसी अपने सर्वे में नहीं पकड़ सकी। 65 और 68 प्रतिशत की रिकॉर्ड वोटिंग ने विश्लेषकों को जरूर सतर्क किया था लेकिन यह सतर्कता भी उस समय ध्वस्त हो गई, जब एग्जिट पोल्स ने लगभग एक जैसी थाली परोसी यानी एनडीए की जीत लेकिन सीमित मार्जिन के साथ। लगभग सभी 'पोल ऑफ पोल्स' ने एनडीए को 150 के आसपास और महागठबंधन को 80-90 सीटों तक टिका दिया, मानो मतदाता किसी स्थिर पैटर्न में वोट डालने गया हो। इन अनुमानित संख्याओं में न आत्मविश्वास झलकता था, न शोध की गंभीरता। यही नहीं, प्रतिष्ठित मानी जाने वाली एक्सिस माय इंडिया और टुडेज चाणक्य जैसी एजेंसियां भी उस भूचाल को भांप नहीं सकी, जिसने एनडीए को 200 से अधिक सीटों के साथ रिकॉर्ड बहुमत दे दिया। यह पराजय अनुमान की नहीं, समझ की थी और यह विफलता आंकड़ों की नहीं, पद्धति की थी, जो सवाल उठाती है कि क्या एग्जिट पोल्स विश्लेषण करते हैं या महज भविष्यवाणी का खेल खेलते हैं?

सबसे दिलचस्प बात यह रही कि सभी एजेंसियों के बीच 'पोल डायरी' नाम की एकमात्र एजेंसी थी, जिसने एनडीए को 184-209 सीटों तक का अनुमान देकर राजनीतिक गलियारों को चौकन्ना कर दिया था। उस समय इसे कई विशेषज्ञों ने 'आउटलायर' कहकर खारिज कर दिया था परंतु नतीजे आए तो वही आउट्लायर सबसे सटीक साबित हुआ। महागठबंधन को 32-49 सीटों का उसका अनुमान भी वास्तविक परिणामों से मेल खा गया। यह सवाल और बड़ा हो जाता है कि जब सारी एजेंसियां एक दिशा में झुकी हों और एक एजेंसी अलग दृष्टि दे रही हो, तब भी आखिर क्यों तथाकथित विशेषज्ञता उस एकमात्र भिन्न अनुमान को गंम्भीरता से नहीं लेती? जवाब स्पष्ट है कि एग्जिट पोल अब एक उद्योग है और उद्योग में जोखिम लेने की जगह कम होती है। सबको उसी लय में बोलना सुविधाजनक लगता है, जिसमें बहुमत की आवाज सुनाई देती है।

बिहार में एक्सिस ने 121-141, चाणक्य ने 148-172, भास्कर ने 145-160, पीपुल पल्स ने 133-159, मैट्रिज-आईएएनएस ने 147-167 और लगभग हर एजेंसी ने 130 से 160 के बीच एनडीए को बांधकर रखा। महागठबंधन को इन्हीं एजेंसियों ने उदारता के साथ 75-110 सीटें सौंप दी, मानो राजनीतिक ध्रुवीकरण, जातीय समीकरणों के पुनर्संयोजन, महिलाओं और युवाओं के मतदान पैटर्न जैसी वास्तविकताओं का कोई महत्व ही न हो। नतीजा? जमीन पर वोटर ने इन सारे अनुमानों को ह्यकागजी गणितह्न साबित कर दिया। एनडीए जहां 200 सीटों से ऊपर निकल गया, वहीं महागठबंधन 35 के आसपास सिमट गया।

बिहार की राजनीति की जटिलता को समझ पाने में एग्जिट पोल्स की असमर्थता कोई नई बात नहीं है। 2010, 2015 और 2020 में भी वे लगातार विफल रहे। 2015 में जब नीतीश-लालू गठबंधन की प्रचंड जीत हुई थी जबकि सर्वे एजेंसियों ने इसके उलट एनडीए की बढ़त दिखाई थी। 2020 में जब लगभग हर सर्वे ने महागठबंधन की जीत की भविष्यवाणी की थी, तब नतीजों ने एनडीए को 125 सीटों के साथ पूर्ण बहुमत पर पहुंचा दिया था। अब 2025 में जब एनडीए की सुनामी आई, तब उसे भी पढ़ने में लगभग सभी एजेंसियां एक बार फिर चूक गई। आखिर चुनावी समाजशास्त्र में ऐसी क्या अंधी दीवार है, जो इन एजेंसियों को वास्तविकता से टकराने पर मजबूर कर देती है?

यह विफलता केवल बिहार तक सीमित नहीं है। हरियाणा, महाराष्ट्र, झारखंड, पश्चिम बंगाल, राजस्थान और यहां तक कि लोकसभा चुनावों तक में एग्जिट पोल्स बार-बार चित्त होते आए हैं। 2024 लोकसभा चुनाव में तो लगभग हर एजेंसी ने एनडीए को 350-400 सीटों का आकाश छूता अनुमान दिया था जबकि भाजपा 240 सीटों पर रुक गई थी और एनडीए 292 पर। महाराष्ट्र में एग्जिट पोल्स ने 150-170 सीटों की 'महायुति' दिखा दी पर वास्तविक नतीजे 234 सीटों के विशाल बहुमत में तब्दील हो गए। झारखंड में अनुमान एनडीए का, नतीजा इंडिया ब्लॉक का; बंगाल में अनुमान त्रिशंकु का, नतीजा टीएमसी की सुनामी का, तो क्या यह कहना गलत है कि एग्जिट पोल अब विश्लेषण का औजार नहीं बल्कि मनोरंजन का साधन बन चुके हैं?

सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि आखिर एग्जिट पोल्स किस 'विज्ञान' पर चलते हैं? एजेंसियां दावा करती हैं कि वे वैज्ञानिक सैम्पलिंग, पिछले चुनावों के पैटर्न, जातीय-क्षेत्रीय वितरण, बूथवार गणना और वोट शेयर रूपांतरण मॉडल पर काम करती हैं लेकिन वास्तविकता यह है कि यह डेटा कितने बूथों से लिया जाता है, कितने मतदाताओं से बात होती है, कौनसे अनुपात लागू किए जाते हैं, इन सबकी पारदर्शिता लगभग शून्य है। 'वैज्ञानिक मॉडल' की आड़ में यह उद्योग एक ब्लैक बॉक्स की तरह काम करता है, जहां अंदर क्या चल रहा है, कोई नहीं जानता और बाहर सिर्फ अनुमान बेचा जाता है। हालांकि ऐसा नहीं है कि सैंपलिंग से नतीजे निकाले नहीं जा सकते। दुनियाभर में चुनाव पूर्व सर्वे और एग्जिट पोल आम प्रचलन में हैं लेकिन वहां मैथडोलॉजी खुली होती है, डेटा उपलब्ध होता है और एजेंसियों का मूल्यांकन उनके पिछले रिकॉर्ड के आधार पर किया जाता है। भारत में इसके उलट, टीवी चैनल टीआरपी के लिए और सर्वे एजेंसियां कॉन्ट्रैक्ट के लिए एग्जिट पोल पेश करती हैं। इन्हें वास्तविकता से ज्यादा कथानक गढ़ने में रुचि होती है। कई बार राजनीतिक पक्षधरता, कई बार व्यावसायिक दबाव और कुछ मामलों में 'सैंपल की कमी' जैसे बहाने इस उद्योग का स्थायी फॉर्मूला बन चुके हैं।

कुल मिलाकर, बिहार के 2025 के जनादेश ने एक बार फिर यह साबित किया है कि एग्जिट पोल्स मतदाता को पढ़ने का नहीं, मतदाता को प्रभावित करने का उपकरण बन चुके हैं। किसी भी लोकतंत्र में यह एक खतरनाक प्रवृत्ति है। जब टीवी चैनल और एजेंसियां मिलकर मतदाता के मन की थाह लेने के बजाय उसकी धारणाओं को दिशा देने में लग जाएं, तब उनकी विश्वसनीयता पर प्रश्नचिन्ह लगने स्वाभाविक है। यह समय है कि भारत में एग्जिट पोल्स के लिए स्वतंत्र विधिक नियंत्रण, स्पष्ट पद्धति प्रकटीकरण, सैम्पलिंग मानक, पारदर्शिता नियम और जवाबदेही लागू की जाए। जब तक यह उद्योग 'अनुमानों की दुकान' बना रहेगा, तब तक उसका हर अनुमान एक जोखिम होगा और उसकी हर भविष्यवाणी लोकतंत्र को भ्रमित करने का माध्यम। हालांकि बिहार ने एक बार फिर दुनिया को दिखा दिया कि यहां का मतदाता किसी भी 'पोल' से बड़ा है। 'पोल ऑफ पोल्स' विफल हुआ लेकिन जनता का पोल एकदम सही बैठा। यही बिहार की राजनीतिक चेतना की असली शक्ति है और यही लोकतंत्र की वह जीवंत धड़कन है, जिसे कोई सर्वे, कोई ग्राफ और कोई चैनल स्टूडियो कभी समझ नहीं पाएगा।

(लेखक साढ़े तीन दशक से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

भारत निर्वाचन आयोग के विशेष गहन प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत बीएलओ-सुपरवाइजरों का एक दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

अमरोहा (सब का सपना):- भारत निर्वाचन आयोग के निदेशानुसार विशेष गहन प्रशिक्षण कार्यक्रम (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) के अंतर्गत जिले में मतदाता सूची के शुद्धिकरण एवं अद्यतन कार्य तेजी से चल रहा है। इसी क्रम में अमरोहा जिले के विकासखंड अमरोहा कार्यालय सभागार में विधानसभा क्षेत्र 41-अमरोहा के सभी सुपरवाइजरों एवं बूथ लेवल ऑफिसर्स (बीएलओ) का एक दिवसीय विशेष प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सदर तहसील के उप जिलाधिकारी शैलेश कुमार दुबे ने की। प्रशिक्षण सत्र में जिला प्रशासन, निर्वाचन विभाग एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। उप जिलाधिकारी शैलेश कुमार दुबे ने अपने संबोधन में बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर 4 नवंबर 2025 से बीएलओ घर-घर जाकर मतदाताओं का सत्यापन कर रहे हैं। इस अभियान में फॉर्म-6 का वितरण एवं संग्रहण किया जा रहा है। प्राप्त फॉर्मों को बीएलओ तत्काल मोबाइल ऐप के माध्यम से ऑनलाइन फीड कर रहे हैं ताकि मतदाता सूची में कोई त्रुटि न रहे। उन्होंने सभी बीएलओ एवं सुपरवाइजरों को निर्देश दिए कि निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित समय-सीमा के अंदर शत-प्रतिशत कार्य पूर्ण किया जाए। कोई भी पात्र मतदाता सूची से छूटना नहीं चाहिए तथा मृतक, स्थानांतरित एवं दोहरी प्रविष्टियों को तत्काल हटाया जाए। बीएलओ ऐप के तकनीकी उपयोग, फॉर्म भरने की सही विधि तथा फोटोयुक्त मतदाता सूची की गुणवत्ता पर विशेष जोर दिया गया। प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनर्स ने बीएलओ को व्यावहारिक प्रशिक्षण देते हुए ऐप के नए फीचर्स, जीपीएस आधारित लोकेशन वेरीफिकेशन तथा ऑनलाइन डेटा एंट्री की बारीकियां समझाईं। सत्र के अंत में प्रश्नोत्तर कक्ष भी आयोजित किया गया जिसमें बीएलओ की सभी शंकाओं का समाधान किया गया।उप जिलाधिकारी ने कहा कि निष्पक्ष, पारदर्शी एवं त्रुटिरहित मतदाता सूची ही स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव की आधारशिला है। सभी अधिकारी-कर्मचारी पूरे मनोयोग से इस राष्ट्रीय दायित्व का निर्वहन करें। प्रशिक्षण सत्र में लगभग 350 से अधिक बीएलओ एवं सुपरवाइजरों ने भाग लिया।

आवास विकास 2 कॉलोनी में घर के बाहर से प्रधानाचार्या की कार चोरी

अमरोहा (सब का सपना):- शहर के आवास विकास 2 कॉलोनी में बीते शुक्रवार की देर रात 12:30 बजे बड़ी चोरी की घटना सामने आई है। जहां राजकीय बालिका इंटर कॉलेज की प्रधानाचार्या स्नेह लता की नई क्रेटा कार उन्हें घर के बाहर से चोर उड़ा ले गए। घटना के बाद कॉलोनी में दहशत का माहौल है। सूत्रों के मुताबिक चोरों ने पहले इलाके की रेकी की। इसके बाद उन्होंने कार का शीशा तोड़कर आराम से गाड़ी लेकर फरार हो गए। पूरी कार पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। इसमें कार चोर ले जाते हुए साफ दिखाई दे रहे हैं। पीड़ित परिवार को शक है कि कार का इस्तेमाल किसी आपराधिक वारदात में किया जा सकता है। प्रिंसिपल के पति अनिल कुमार वर्मा ने नगर कोतवाली में तहरीर देकर पुलिस से गाड़ी की जल्द बरामदगी की मांग की है। मामले में सीओ सिटी शक्ति सिंह ने बताया कि अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया। पुलिस जांच में जुटी है और चोरों की तलाशी की जा रही है।

सीओ अंजलि कटारिया ने किया मंडी धनौरा थाने का निरीक्षण

जांच कर शिकायतों के समय से निस्तारण करने के दिए निर्देश

धनोरा/अमरोहा (सब का सपना):- पुलिस क्षेत्राधिकारी अंजलि कटारिया ने थाने का वार्षिक निरीक्षण करते हुए थाना परिसर की व्यवस्थाओं, कार्यालय कक्ष, रजिस्टर, हथियार कक्ष, मालखाना, सीसीटीवी प्रबंधन और रिकॉर्ड रूम का निरीक्षण करते हुए गहनता से जांच की। इस दौरान मौके पर थाना प्रभारी निरीक्षक बालेंद्र कुमार सहित सभी पुलिसकर्मी मौजूद रहे। बता दें कि रविवार को मंडी धनौरा क्षेत्र अधिकारी अंजलि कटारिया ने मंडी धनौरा थाने का निरीक्षण करते हुए वहां मौजूद पुलिस कर्मियों से थाने में रखें अभिलेखों ,एफ आई आर, जनरल डायरी (जीडी) और लंबित प्रकरणों की अधतन स्थिति की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि शिकायतों का निस्तारण समय से और पारदर्शी तरीके से किया जाए एवं पीड़ितों की सुनवाई को प्राथमिकता दी जाए। इसके अलावा उन्होंने थाने की साफ सफाई परिसर की सुरक्षा व्यवस्था और वाहन पार्किंग की स्थिति की भी समीक्षा की। क्षेत्राधिकारी ने आगामी त्यौहारों और भीड़भाड़ वाले आयोजनों के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के निर्देश दिए। उन्होंने बीट प्रभारियों से उनके क्षेत्र में चल रही गतिविधियों अपराध नियंत्रण योजनाओं और गस्त की स्थिति के संबंध में विस्तार से जानकारी प्राप्त की। थाना प्रभारी निरीक्षक ने क्षेत्राधिकारी को थाने की वर्तमान कार्य प्रणाली उपलब्ध संसाधनों एवं कानून व्यवस्था की स्थिति से अवगत कराया। क्षेत्राधिकारी ने पुलिस कर्मियों के मनोबल की सराहना करते हुए उन्हें बेहतर कार्य प्रणाली अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया इस प्रकार मंडी धनोरा में वार्षिक निरीक्षण लगभग एक घंटे तक चलता रहा।

संपूर्ण समाधान दिवस पर डीएम ने अधिकारियों को समयबद्ध निस्तारण करने के दिए निर्देश

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- तहसील सभागार में जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान कुल 23 शिकायतें दर्ज की गई जिनमें से मौके पर केवल दो का ही निस्तारण किया जा सका। इस दौरान मौजूद जिला अधिकारी ने अधिकारियों को शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही वर्तने पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी। शनिवार को आयोजित समाधान दिवस में राजस्व विभाग से सर्वाधिक 12 शिकायती प्राप्त हुई, इसके अतिरिक्त पुलिस विभाग से दो, विद्युत विभाग से तीन और विकास आपूर्ति नगर पालिका जिला पंचायत तथा कृषि विभाग से एक-एक शिकायत दर्ज की गई। जिला अधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने अधिकारियों को जन समस्याओं के त्वरित निस्तारण को अपनी पहली प्राथमिकता बनाने के कड़े निर्देश दिए। उन्होंने लंबित शिकायतों को निर्धारित समय सीमा के भीतर निपटाने के आदेश दिए उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं का त्वरित निस्तारण सरकार की पहली प्राथमिकता है। इस अवसर पर जिला अधिकारी निधि गुप्ता वत्स के साथ पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद, उप जिला अधिकारी विभा श्रीवास्तव,सीओ अंजलि कटारिया और संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

वाहन चालकों को यातायात नियमों, सड़क सुरक्षा उपायों एवं विभिन्न सड़क संकेतों की दी गई जानकारी

बहजोई/संभल(सब का सपना):- यातायात माह नवंबर के अंतर्गत संचालित सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान के क्रम में पुलिस अधीक्षक संभल के कुशल निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी यातायात व प्रभारी यातायात के नेतृत्व में बहजोई में व्यापक जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान आम जनमानस एवं वाहन चालकों को यातायात नियमों, सड़क सुरक्षा उपायों एवं विभिन्न सड़क संकेतों की विस्तृत जानकारी दी गई। लोगों को हेलमेट एवं सीट बेल्ट के अनिवार्य उपयोग, सुरक्षित गति, ओवरलोडिंग से बचाव तथा मोबाइल फोन का प्रयोग न करने जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं से अवगत कराया गया। साथ ही, सड़क दुर्घटना के समय घायल व्यक्ति की तत्काल मदद करने हेतु प्रेरित किया गया तथा राहवीर योजना से संबंधित विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराई गई, जिसमें दुर्घटना पीड़ित की सहायता करने वाले व्यक्ति को विधिक सुरक्षा एवं प्रोत्साहन प्रदान किया जाता है। कार्यक्रम में उपस्थित जनसमूह ने सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने का संकल्प लिया तथा पुलिस टीम द्वारा सभी को सुरक्षित एवं जिम्मेदार यातायात व्यवहार अपनाने हेतु प्रेरित किया गया।

मुख्यमंत्री आरोग्य मेले का सफल आयोजन, मरीजों का किया गया निःशुल्क उपचार

सम्भल(सब का सपना):- जनपद में 28 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों एवं 5 नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर 227वें मुख्यमंत्री आरोग्य मेले का आयोजन किया गया। इस मेले में 39 चिकित्सकों एवं 136 पैरा-मेडिकल स्टाफ की टीम ने कुल 3298 रोगियों का निःशुल्क उपचार किया, जिसमें 1249 पुरुष, 1243 महिलाएं एवं 806 बच्चे शामिल रहे। मेले के दौरान आयुष्मान भारत जन-आरोग्य योजना के तहत 254 लाभार्थियों के गोल्डन कार्ड एवं 287 आभा आईडी बनाए गए। विभिन्न रोगों के मरीजों में बुखार के 468, चर्म रोग के 476, दमा के 367, मधुमेह के 165, नेत्र रोग के 101, उच्च रक्तचाप के 74 तथा अन्य रोगों के मरीज देखे गए। बुखार से संबंधित 103 मरीजों की मलेरिया जाँच एवं 56 की डेंगू जाँच की गई, जिनकी सभी रिपोर्ट निगेटिव रही। सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर परिवार नियोजन संबंधी परामर्श एवं सामग्री (चॉइस ऑफ बॉस्केट) के लिए अलग काउंटर स्थापित किए गए। जनपद की समस्त आशा कार्यकताओं ने सोर्स रिडक्शन एवं संचारी रोगों से बचाव के प्रति लोगों को जागरूक किया। साथ ही, 'एक युद्ध नशे के विरुद्ध' अभियान के तहत 311 व्यक्तियों को तम्बाकू छोड़ने की परामर्श दी गई। मेले का निरीक्षण अपर निदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, मुरादाबाद मंडल, डॉ. रितु कत्याल, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. तरुण पाठक एवं अन्य जनपद एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों ने किया। जिलाधिकारी के निदेशों का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित किया गया।
यह आयोजन स्वास्थ्य सेवाओं को जन-जन तक पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ।

यूको बैंक के शाखा प्रबंधक, लाकेश कुमार ने गिनाई योजनाओं की उपलब्धियाँ

अमरोहा (सब का सपना):- शहर के आवास विकास कॉलोनी स्थित यूको बैंक की शाखा में नई ऊर्जा का संचार हुआ है। 15 मई 2025 को अनुभवी बैंकर लाकेश कुमार ने शाखा प्रबंधक का कार्यभार संभाल लिया था। इससे पूर्व लाकेश कुमार उत्तर प्रदेश के कई जिलों में विभिन्न बैंकों में अपनी सेवाएँ दे चुके हैं, जिससे उन्हें बैंकिंग क्षेत्र का गहरा अनुभव प्राप्त है। शाखा प्रबंधक लाकेश कुमार ने मीडिया से बातचीत में केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जमकर सराहना की और बैंक द्वारा दी जा रही सुविधाओं की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यूको बैंक में बचत खाता, चालू खाता (करंट अकाउंट), आवर्ती जमा (आरडी) तथा सावधि जमा (एफडी) खाते आसानी से खोले जा सकते हैं।बचत खाते में ग्राहकों को मुफ्त एटीएम कार्ड, चेक बुक, नेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग जैसी आधुनिक सुविधाएँ उपलब्ध हैं। इसी प्रकार चालू खाते में भी सभी डिजिटल सुविधाएँ प्रदान की जा रही हैं। बैंक व्यक्तिगत ऋण, वाहन ऋण, गृह ऋण जैसी सुविधाएँ बाजार की सबसे कम ब्याज दरों पर उपलब्ध करा रहा है। विशेष रूप से होम लोन में न्यूनतम किस्तों वाली आकर्षक ब्याज दरें ग्राहकों को लुभा रही हैं।कृषि क्षेत्र के लिए भी बैंक विशेष ऋण योजनाएँ चला रहा है। प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (PMSBY) मात्र 20 रुपये सालाना में 2 लाख रुपये तक का दुर्घटना बीमा, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (PMJBY) 436 रुपये सालाना में 2 लाख रुपये तक का जीवन बीमा तथा अटल पेंशन योजना (APY) के तहत 60 वर्ष की आयु के बाद नियमित पेंशन की गारंटी दी जा रही है। लाकेश कुमार ने आमजन से अपील की है कि वे यूको बैंक की अमरोहा शाखा में आएँ और इन सभी योजनाओं का लाभ उठाएँ। उन्होंने विश्वास दिलाया कि ग्राहक-सेवा और पारदर्शिता बैंक की सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी।

जिलाधिकारी को नेक्सस ऑफ गुड अवार्ड से नई दिल्ली में किया गया सम्मानित

रिटायर्ड कैबिनेट सचिव भारत सरकार बीके चतुर्वेदी द्वारा अवार्ड जिलाधिकारी के प्रतिनिधि के रूप में मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट को किया गया प्रदान

बहजोई/संभल(सब का सपना):- नेक्सस ऑफ गुड फाउंडेशन द्वारा पीएचडी चेम्बर ऑफ कॉमर्स नई दिल्ली के ऑडिटोरियम में चौथा वार्षिक पुरस्कार समारोह 2025 के अन्तर्गत जिलाधिकारी सम्भल डॉ राजेन्द्र पैंसिया को जनपद में उनके नेतृत्व में जिला प्रशासन द्वारा जनपद में प्रशासन, शिक्षा,ग्राम्य विकास ,पंचायती राज,नदियों के पुनरुद्धार एवं अन्य क्षेत्रों में किये जा रहे उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। दिल्ली में यह अवार्ड रिटायर्ड पूर्व कैबिनेट सचिव भारत सरकार बीके चतुर्वेदी (आईएएस) द्वारा जिलाधिकारी के प्रतिनिधि के रूप में मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट को प्रदान किया गया।नेक्सस ऑफ गुड द्वारा दिये जाने वाले पुरस्कारों का उद्देश्य शासन,शिक्षा, प्रौद्योगिकी, पर्यावरण, स्वास्थ्य और सामुदायिक सेवा के क्षेत्र में अनुकरणीय पहलों को मान्यता देना है जो समाज में उल्लेखनीय सकारात्मक प्रभाव डाल रही हैं। जिलाधिकारी के नेतृत्व में जिला प्रशासन द्वारा सम्भल के स्वरूप को बदलने के लिए जनपद में प्राथमिक शिक्षा के क्षेत्र में किये गये उल्लेखनीय कार्यों प्राथमिक शिक्षा की पुनर्कल्पना क, ख, ग, घ मिशन तथा पीएम श्री स्कूल, सम्भल संवाद एप तथा जिला परियोजना निगरानी ईकाई (डीपीएमयू) , एक जिला पांच नदियाँ के अभियान के अन्तर्गत सम्भल में नदियों के पुनरुद्धार के लिए किए जा रहे कार्य तथा सम्भल में विरासत एवं तीर्थ स्थल पुनर्ग्रहण के अन्तर्गत प्राचीन 68 तीर्थों तथा 19 महा कूपों एवं प्राचीन 24 कोसीय परिक्रमा के विकास के लिए किये जा रहे कार्यों ,ग्राम्य विकास, आंगनवाड़ी के क्षेत्र तथा पंचायती राज आदि के क्षेत्र में किये गये उल्लेखनीय कार्यों के लिये दिया गया।नेक्सस ऑफ गुड का अर्थ होता है अच्छाइयों का केन्द्र। नेक्सस ऑफ गुड अवार्ड संघ लोकसेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष दीपक गुप्ता की ज्यूरी द्वारा जनपद प्रशासन, संस्था तथा व्यक्तियों का चयन किया तथा पूर्व आईपीएस किरण बेदी के एनजीओ सहित अन्य संस्थाओं को भी तथा आंगनबाड़ी में उल्लेखनीय काम करने के लिए मुख्य विकास अधिकारी वाराणसी को भी प्रदान किया गया। बताते चलें कि नेक्सस ऑफ गुड की स्थापना पूर्व केन्द्रीय मानव संसाधन विकास सचिव भारत सरकार अनिल स्वरूप द्वारा की गयी।

पंचायत के दौरान दो पक्षों में मारपीट महिला समेत चार घायल

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- कोतवाली क्षेत्र में पुराने विवाद को लेकर दो पक्षों में जमकर मारपीट हो गई, बताया जा रहा है कि विवाद के दौरान किसी ने फायरिंग भी की थी। क्षेत्र में हुए इस विवाद का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। इस विवाद में महिला समेत चार लोगों के घायल होने की सूचना है। सूत्रों के हवाले से मिली जानकारी के मुताबिक यह घटना गांव बिजोरा की बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि गजरौला कोतवाली क्षेत्र के गांव बिजोरा में शुक्रवार शाम को एक पुराने विवाद को सुलझाने के लिए दोनों पक्ष गांव निवासी नौबहार के घर पर बातचीत कर रहे थे, बातचीत के दौरान दोनों पक्षों में किसी बात को लेकर कहा सुनी हुई और देखते ही देखते मारपीट शुरू हो गई। मारपीट शुरू होते ही लाठी डंडों, धारदार हथियारों और पथराव के साथ ही अचानक 10-12 युवक भी वहां आ गए जिनमें से एक ने तमंचे से फायर भी किया। शुक्रवार को हुए इस पूरे झगड़े का वीडियो भी सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। इस मारपीट और पथराव में एक पक्ष से नौबहार की पत्नी बबीता उनके परिवार का किशन ,पवन कुमार और जेठानी जाविन्द्री घायल हो गए। वहीं दूसरे पक्ष से महिपाल और उसका बेटा गौरव भी घायल हो गए। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची जिसने सभी घायलों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया। इस मामले में मंडी धनौरा सीओ अंजलि कटारिया ने बताया कि मामला संज्ञान में आया है घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भेज दिया गया है, तहरीर मिलने के बाद वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर निकाली गई राष्ट्रीय एकता पदयात्रा

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- विधानसभा क्षेत्र में सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर राष्ट्रीय एकता पदयात्रा निकाली गई। इस दौरान देश के प्रथम उपप्रधानमंत्री और लौह पुरुष के आदर्शों को नमन करते हुए पदयात्रा विधानसभा 42 के भाजपा विधायक महेंद्र सिंह खड्गवंशी, भाजपा जिला अध्यक्ष उदयगिरि गोस्वामी के नेतृत्व में विकासखंड परिसर हसनपुर से ग्राम मंगरौली तक निकाली गई। भाजपा जिलाध्यक्ष उदयगिरि गोस्वामी ने जनसमूह को राष्ट्रीय एकता, अखंडता और सरदार पटेल की विचारधारा को अपनाने का संदेश दिया। पदयात्रा में बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, कार्यकर्ता और ग्रामीण राष्ट्रीय ध्वज लहराते हुए शामिल हुए और एकता के नारे लगाए। पदयात्रा विकासखंड हसनपुर से शुरू होकर नगर पालिका परिषद, अंबेडकर पार्क, रहरा रोड से होते हुए शाहपुर कला, तीसरा मिल, मंगरौली तक निकाली गई। इस बीच रहरा अड्डे पर पदयात्रा में शामिल जन समूह का नगर पालिका अध्यक्ष राजपाल सैनी व कार्यकर्ताओं ने फूल बरसा कर स्वागत किया। विधायक महेंद्र सिंह खड्गवंशी ने कहा कि सरदार पटेल का देश को एकजुट करने का महान कार्य आज भी प्रेरणा देता है। यात्रा के समापन पर आयोजित सभा में वक्ताओं ने सरदार पटेल के योगदान को याद किया। उन्होंने कहा कि स्वतंत्र भारत की रियासतों के विलय और अखंड भारत के निर्माण में उनका ऐतिहासिक योगदान देश हमेशा याद रखेगा। इस दौरान जनसमूह में मुख्य अतिथि सूर्य प्रकाश पाल, जिला अध्यक्ष उदयगिरि गोस्वामी, विधायक महेंद्र सिंह खड्गवंशी, जिला महामंत्री अभिनव कौशिक, ब्लॉक प्रमुख ममता गुर्जर, भाजपा कार्यकर्ता व हजारों की संख्या में लोग उपस्थित रहे।

स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन, 25 पुलिसकर्मियों ने किया रक्तदान

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- जनपद के पुलिस लाइन बहजोई में जिला चिकित्सालय सम्भल और सम्भल पुलिस विभाग के संयुक्त तत्वावधान में एक स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में पुलिसकर्मियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और मानवता की सेवा में अपना योगदान दिया। शिविर का नेतृत्व करते हुए प्रतिसार निरीक्षक पुलिस लाइन बहजोई अशोक कुमार ने स्वयं रक्तदान किया। उनके साथ कुल 25 पुलिसकर्मियों ने स्वेच्छा से रक्तदान कर इस नेक पहल को सफल बनाया। यह आयोजन पुलिस विभाग

की सामाजिक जिम्मेदारी और जनसेवा के प्रति समर्पण को दर्शाता है। जिला चिकित्सालय के चिकित्सकों और स्टाफ की टीम ने रक्तदान प्रक्रिया को सुचारू रूप से संचालित किया। शिविर में रक्तदान करने वाले सभी पुलिसकर्मियों को सम्मान प्रदान किया गया। पुलिस अधीक्षक सम्भल ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज में सकारात्मक संदेश फैलाते हैं और जरूरतमंदों की मदद करते हैं। यह रक्तदान शिविर न केवल पुलिस बल की मानवीय छवि को मजबूत करता है, बल्कि रक्त की कमी से जूझ रहे मरीजों के लिए जीवनदायिनी साबित होगा। स्थानीय लोगों ने भी इस आयोजन की प्रशंसा की और भविष्य में ऐसे शिविरों की मांग की।

सुलह समझौता केंद्र की मीटिंग में 27 विवादों का निस्तारण कर 6 परिवारों को मिलाया

बहजोई/संभल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई के निर्देशन में तथा अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिण अनुकृति शर्मा और क्षेत्राधिकारी डॉ. प्रदीप कुमार सिंह के दिशा-निर्देश पर संचालित पुलिस परिवार परामर्श सुलह समझौता केंद्र की बैठक शनिवार को पुलिस लाइन मंडी समिति बहजोई में संपन्न हुई। परामर्श केंद्र प्रभारी डॉ. रुकम पाल सिंह की देखरेख में आयोजित इस बैठक में पति-पत्नी के बीच हुए आपसी विवादों को सुलह-समझौते के आधार पर निस्तारित करने का प्रयास किया गया। बैठक में कुल 69 पत्रावलियों की सुनवाई की गई, जिसमें से 27 पत्रावलियों का सफलतापूर्वक निस्तारण किया गया। इसके अलावा 6 परिवारों को पुनः मिलाया गया, जिससे पारिवारिक

सौहार्द बहाल हुआ। वहीं, 19 पत्रावलियों को आवेदक द्वारा बल न देने के कारण बंद कर दिया गया। दो पत्रावलियों में विधिक कार्रवाई की संस्तुति की गई। इस अवसर पर काउंसलर अखिलेश अग्रवाल, विधिक परामर्शदाता काउंसलर लव मोहन वार्ष्णेय, एडवोकेट बबीता शर्मा, श्वेता गुप्ता, सीमा आर्य, कंचन महेश्वरी, कांस्टेबल शहजाद मलिक, रश्मि गहलोत सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। पुलिस की इस पहल से पारिवारिक विवादों के शांतिपूर्ण समाधान में सहायता मिल रही है।

बहजोई पुलिस ने मोबाइल चोरी के आरोपी को किया गिरफ्तार

बहजोई/संभल(सब का सपना):- कानून व्यवस्था और अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बहजोई पुलिस ने एक मोबाइल चोरी के मामले में आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस के अनुसार, शेर सिंह पुत्र जसवंत सिंह, निवासी ग्राम खेतापुर, थाना बहजोई, जनपद संभल ने सीजेएम कोर्ट चंदौसी में प्रार्थना पत्र दाखिल कर शिकायत की थी कि आरोपी ने उनका मोबाइल फोन चोरी कर लिया

था। इस शिकायत पर थाना बहजोई में सुसंगत धाराओं के तहत मुकदमा पंजीकृत किया गया। 15 नवंबर को बहजोई पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी सौरभ पुत्र वीरेंद्र सिंह, निवासी ग्राम खेतापुर, थाना बहजोई, जनपद संभल को जारत के पास ग्राम खेतापुर से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी से पूछताछ की जा रही है और चोरी गया मोबाइल बरामद करने के प्रयास जारी हैं। पुलिस अधीक्षक संभल के निदेर्शानुसार चलाए जा रहे इस अभियान में अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है, जिससे क्षेत्र में अपराध पर अंकुश लगाया जा सके।

पूर्व विधायक सुरेंद्र शुक्ला के स्मृति में विराट दंगल कुश्ती और मेला आयोजित

संवाददाता

कुशीनगर। कसया तहसील क्षेत्र स्थित पिपरा तिवारी में रविवार को पूर्व विधायक सुरेंद्र शुक्ला के स्मृति में विराट दंगल कुश्ती और मेले का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि केंद्रीय कोयला एवं खनन मंत्री सतीश चंद दुबे, विधायक पीएन पाठक के भाई सीपीएन पाठक, विधायक सुरेन्द्र कुशवाहा, पूर्व सांसद सांसद गुड्डु पांडे मुख्य अतिथि, पूर्व विधायक रजनीकांत मणि त्रिपाठी, नपाप कुशीनगर अध्यक्ष प्रतिनिधि राकेश कुमार जायसवाल, समाजसेवी ओम

प्रकाश जायसवाल आदि ने कुश्ती प्रतियोगिता का शुभारंभ पहलवानों का हाथ मिलवाकर कराया। केंद्रीय कोयला एवं खनन मंत्री श्री दूबे ने कहा कि खेल से सामाजिक समरस की भावना का विकास होता है। केंद्र और प्रदेश सरकार खेल और खिलाड़ियों को प्रोत्साहित कर रही है। पूर्व सांसद श्री पांडेय ने कहा कि ऐसे आयोजन से ग्रामीण क्षेत्र में छिपी प्रतिभाओं को निखरने का अवसर मिलता है। पूर्व विधायक रजनीकांत मणि त्रिपाठी ने कहा कि कुश्ती भारत की प्राचीन विधा है। उन्होंने आयोजन की सराहना की। दंगल में बनारस, अयोध्या और गोरखपुर सहित विभिन्न स्थानों से आए पहलवानों ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। दिवंगत विधायक सुरेंद्र शुक्ला के बड़े पुत्र संजय शुक्ला और छोटे पुत्र विजय कुमार शुक्ला ने सभी अतिथियों का स्वागत किया और आभार व्यक्त किया। इस दौरान बीडीसी कुमारेश यादव, गोल्डन शुक्ला, अमित कुमार शुक्ला, जितेंद्र देव शुक्ला, शिवम तिवारी, गौरव शुक्ला, सुनील शुक्ला, निक्कू शुक्ला, मण्डल अध्यक्ष राजेश राव, आद्या पांडेय, सचिन पाठक, नुतन दुबे, अमित मालवीय, जयप्रकाश सिंह, महेंद्र तिवारी, दीपक पाण्डेय, बिरेंद्र सिंह सहित सैकड़ो दर्शक मौजूद रहे।

एंजिल्स पब्लिक स्कूल के 10वें स्थापना दिवस पर भव्य उत्सव, बच्चों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मोहा मन

संभल(सब का सपना):- नगर के सराय शरमीन स्थित एसडीएम कार्यालय के पीछे एंजिल्स पब्लिक स्कूल में 10 वर्ष पूर्ण होने पर 'जशन ए एंजिल्स' उत्सव बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से दर्शकों का दिल जीत लिया।मुख्य अतिथि इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति नलिन कुमार श्रीवास्तव रहे। उनके आगमन पर जिला जज एटा अहमद उल्ला खां, मैनेजिंग डायरेक्टर शरमीन खान और प्रिंसिपल तेजिन्दर सिंह ने बुके भेंटकर स्वागत किया। बच्चों ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। अतिथियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। बच्चों ने देशभक्ति गीत, नाटक और विभिन्न वेशभूषाओं में सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किए, जिससे पंडाल तालियों से गूंज उठा। वक्ताओं ने कहा कि एंजिल्स पब्लिक स्कूल ने समाज के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और उज्ज्वल भविष्य प्रदान करने में सराहनीय कार्य किया है। शिक्षा से समाज तरक्की की राह पर अग्रसर होगा और बच्चे ऊंचाइयों को छूकर परिवार, समाज व शहर का नाम रोशन करेंगे। कार्यक्रम के अंत में रात्रि भोज का आयोजन हुआ, जिसमें सभी ने आनंद लिया। इस अवसर पर नगर मजिस्ट्रेट सुधीर कुमार, एसडीएम राम अनुज, गौरी शंकर चौधरी, डॉ. अजीज उल्ला खां, अरीफ आलम, डॉ. शहजाद आलम, सभासद रागिब पहलवान, वकील अहमद वारसी एडवोकेट, फरीद अहमद एडवोकेट, हामिद उल्ला खां, महमूद उल्ला सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

संघर्ष जारी रखिए, स्थायित्व मिलेगा : सुभाष प्रसाद त्रिपाठी

संवाददाता

कुशीनगर। फाजिलनगर क्षेत्र के जौरा बाजार स्थित इंटरमीडिएट कॉलेज में रविवार को कुशीनगर शिक्षणेत्तर महासंघ का जनपदीय सम्मेलन आयोजित हुआ। जिसमें नवनियुक्त पदाधिकारियों ने शपथ ग्रहण किया। कार्यक्रम में शिक्षणेत्तर कर्मियों ने एकजुट होकर संघर्ष करने और संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प लिया। मुख्य अतिथि जिला सहकारी बैंक कसयाझदेवरिया के पूर्व चेयरमैन सुभाष प्रसाद त्रिपाठी ने कहा कि संगठन ही कर्मचारियों की सबसे बड़ी शक्ति है। उन्होंने कहा कि

विसंगतियों के लिए जागरूक होकर लड़ाई लड़ें। संघर्ष जारी रहा तो वह दिन दूर नहीं जब कर्मचारी स्थायी होंगे। एक-एक कर्मचारी को जगाइए। वक्ताओं में शिक्षणेत्तर महासंघ के प्रदेश महासचिव अवधेश मिश्रा, प्रदेश सचिव आलोक राय,मंडल अध्यक्ष संजय राय, देवरिया के जिलाध्यक्ष विनोद राव,एस पीटी महाविद्यालय भठहीं खुर्द के प्राचार्य डा शैलेन्द्र मिश्र, शोणभद्र इण्टरमीडिएट कालेज मटिहिनियां के प्रधानाचार्य अशोक कुमार गौड़ आदि ने संगठन की एकता को आवश्यक बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुशीनगर जिला अध्यक्ष प्रशांत कुमार सिंह ने तथा संचालन पीएनएम इण्टरमीडिएट कालेज के प्रधान लिपिक चंद्रप्रकाश तिवारी ने किया। आयोजक प्रधान लिपिक सुबोध पांडेय ने अतिथियों को अंगवस्त्र व भगवान गणेश जी की प्रतिमा भेंटकर सम्मानित किया। सम्मेलन में चंद्रशेखर उपाध्याय, सुधाकर पांडेय, योगेश तिवारी, नीलेश शर्मा,नितेश पांडेय, अशोक प्रसाद, मनीष कौशिक, कमलेश तिवारी, दीपु शुक्ला, सोनू उपाध्याय,गौरीशंकर लाल श्रीवास्तव,पं.राजकिशोर पांडेय, प्रदीप दूबे, आलोक चौबे, महेंद्र यादव, सिद्धार्थ श्रीवास्तव, प्रभात, पौहारी सिंह शिक्षणेत्तर कर्मचारी उपस्थित रहे।

मोटर साइकिल ट्रैक्टर से टकराई दो युवक गंभीर रूप से घायल

बहजोई/संभल(सब का सपना):- थाना क्षेत्र के इस्लामनगर रोड पर फौजी की टाल के पास शनिवार रात करीब 7:45 बजे एक ट्रैक्टर और मोटरसाइकिल के बीच जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में मोटरसाइकिल सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए।घायलों की पहचान धर्मेंद्र पुत्र लाल सिंह (20) निवासी ईसमपुर थाना बहजोई और सूरजपाल पुत्र किशन स्वरूप (32) निवासी कान्हऊ धामपुर थाना बहजोई के रूप में हुई है। दोनों युवक मोटरसाइकिल से बहजोई की ओर आ रहे थे, तभी अचानक ट्रैक्टर से उनकी भिड़ंत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही 108 एम्बुलेंस मौके पर पहुंची

और घायलों को प्राथमिक उपचार के लिए सीएचसी बहजोई ले जाया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल संभल रेफर कर दिया गया।

कुरेबंदी और बाजार की जमीन का प्रस्ताव उपलब्ध नहीं कराने पर SDM ने लेखपाल को किया निलंबित

अमरोहा (सब का सपना):- जमीन की कुरेबंदी प्रकरणों को लंबित रखने और साप्ताहिक बाजार की जमीन का प्रस्ताव उपलब्ध ना कराने के मामले में बड़ी कार्रवाई हुई है। वहीं सदर तहसील के उप जिलाधिकारी शैलेश कुमार दुबे ने लापरवाही बरतने पर संबंधित क्षेत्र के लेखपाल को निलंबित कर दिया है। वही निलंबित किए गए लेखपाल का नाम निरवेंद्र शर्मा सदर तहसील में तैनात है। उनके कार्यक्षेत्र में नन्हेड़ा अलीयारपुर सहित अन्य पंचायत क्षेत्र सम्मिलित है। वही नन्हेड़ा अलीयारपुर में साप्ताहिक बाजार की जमीन पर कुछ लोगों ने अवैध कब्जा कर रखा है। अधिकारियों ने लेखपाल को कई बार इस जमीन की पैमाइश करने और ग्राम सभा की बैठक कराकर प्रस्ताव उपलब्ध कराने के निर्देश दिए थे।हालांकि लेखपाल ने प्रस्ताव देने के

बजाय अधिकारियों के सामने केवल कार्यवाही रजिस्टर पेश किया। इससे अधिकारी भी हैरान रह गए, इसके अतिरिक्त लेखपाल निरवेंद्र शर्मा पर जमीन की कुरेबंदी से संबंधित लगभग चार प्रकरणों को एक साल से अधिक समय से लंबित रखने का आरोप है इस मामले में उप जिलाधिकारी के द्वारा बार-बार नोटिस जारी किए गए लेकिन लेखपाल संतोषजनक जवाब देने में सफल रहे और बहाने बाजी करते रहे। वहीं उप जिला अधिकारी शैलेश कुमार दुबे ने बताया कि कुरेबंदी के प्रकरणों में लेखपाल को तत्कालीन एसडीएम द्वारा तीन और उनके द्वारा एक नोटिस जारी किया गया था। जिसका कोई संतोषजनक वाब नहीं मिला, उन्होंने कहा है कि नन्हेड़ा अलीयारपुर के साप्ताहिक बाजार की जमीन के प्रस्ताव के मामले में भी गंभीर लापरवाही बरती गई। इसके आधार पर लेखपाल को निलंबित किया गया था। उप जिलाधिकारी ने अन्य लेखपालों को समय पर विभागीय कार्य पूरा करने की हिदायत दी है। चेतावनी दी है कि कार्य में लापरवाही बर्दाश नहीं की जाएगी।

शेयर मार्केट एप के माध्यम से इन्वेस्ट के नाम पर ठगी करने वाले इंटरनेशनल गैंग का पदार्फाश,ढाई करोड़ की ठगी का हुआ पदार्फाश,मध्य प्रदेश के तीन शातिर ठग अरेस्ट,

कौशाम्बी के एक व्यापारी से शेयर मार्केट एप के माध्यम से इन्वेस्ट के नाम पर 61 लाख रुपए की ठगी करने वाले इंटरनेशनल गैंग का कौशाम्बी जिले की साइबर क्राइम थाना और सायबर सेल पुलिस टीम ने पदार्फाश किया है,पुलिस टीम ने मध्य प्रदेश के भोपाल से तीन शातिर ठगो रणदीप मड़ावी जिला नीलबढ़ भोपाल मध्य प्रदेश,धीरज मालवीय जिला रातीबढ़ भोपाल मध्य प्रदेश,शुभम पटेल पिपलानी भोपाल को अरेस्ट किया है,यह शातिर ठग कई फर्जी एकाउंट खोलकर उसमें लोगो से शेयर मार्केट में रुपया इन्वेस्ट करने के नाम पर रुपया लेते थे और उनके एप पर रुपए तो दिखते थे लेकिन वह उसे निकाल नहीं सकते थे। पुलिस टीम ने तीन शातिर ठगो को अरेस्ट कर लिया और कौशाम्बी जिले के व्यापारी का बीस लाख रुपया फ्रिज कर दिया है।एसपी राजेश कुमार न प्रेस वार्ता कर मामले का खुलासा किया है और पुलिस टीम को 15 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि पुरस्कार में दी है। एसपी राजेश कुमार ने बताया कि कड़ा धाम कोतवाली क्षेत्र के एक रामदत्त त्रिपाठी द्वारा पुलिस और NCRP पोर्टल पर दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर जिले की साइबर क्राइम थाना पुलिस और साइबर सेल ने संयुक्त रूप से मामले का खुलासा किया है और पुलिस टीम ने आवेदक का बीस लाख रुपया फ्रिज कर दिया है,जोकि जल्द ही उनको मिल जाएगा। एसपी ने बताया कि पुलिस टीम ने मध्य प्रदेश के रणदीप मड़ावी जिला नीलबढ़ भोपाल मध्य प्रदेश,धीरज मालवीय जिला रातीबढ़ भोपाल मध्य प्रदेश,शुभम पटेल पिपलानी भोपाल को अरेस्ट किया है,पुलिस टीम ने आरोपियों के पास से तीन मोबाइल,एक एप्पल का फोन, आया के लैपटॉप,एक कंप्यूटर,एक प्रिंटर,तीन क्यू आर कोड,8 चेकबुक,16 ATM, 11 आधार,11 पैनकार्ड,3 टूरिस्ट बीजा,बीस लाख की धनराशि होल्ड की गई। एसपी ने बताया कि NCRP पोर्टल पर कौशाम्बी जिले सहित अरुणाचल प्रदेश ,महाराष्ट्र ,कर्नाटका, हरियाणा, दिल्ली, पंजाब में ठगी के कई मामले दर्ज है, उन शातिरों पर अन्य प्रदेश में भी मामले दर्ज है जिनकी जांच कराई जा रही है।

दिव्यांग कर्मचारियों के पक्ष में बड़ा फैसला, 40 प्रतिशत दिव्यांगता वाले कर्मचारियों को मिलेगा ये लाभ

हरियाणा : हरियाणा में अब 40 प्रतिशत तक की दिव्यांगता वाले कर्मचारियों को भी सेवा विस्तार का लाभ मिलेगा। पहले केवल 70 प्रतिशत या उससे अधिक दिव्यांगता या दृष्टिबाधित कर्मियों को ही लाभ मिलता था। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने शुक्रवार को दिव्यांग कर्मचारियों के पक्ष में यह महत्वपूर्ण फैसला दिया है। इसके साथ हरियाणा सरकार के पुराने नियमों को चुनौती देने वाली 134 रिट याचिकाओं का निपटारा भी कर दिया। जस्टिस अश्विनी कुमार मिश्र और रोहित कपूर की खंडपीठ ने फैसले में कहा कि सिर्फ 70 प्रतिशत या उससे अधिक दिव्यांगता और नेत्र दिव्यांगता वालों को ही दो वर्ष का सेवा विस्तार देना भेदभाव करने जैसा है। यह संविधान के भी खिलाफ है। लाभ सभी को मिलने चाहिए। हाईकोर्ट ने इस फैसले में भूपिंदर सिंह बनाम पंजाब सरकार और हाल ही में सुप्रीम कोर्ट के कश्मीरी लाल शर्मा के केस का भी उल्लेख किया। इन दोनों मामलों में भी सभी प्रकार के दिव्यांग कर्मचारियों

को समान लाभ देने के लिए कहा गया है। जोरा सिंह व अन्य ने याचिका दाखिल करते हुए कोर्ट को बताया था कि हरियाणा में सरकारी कर्मचारियों की सेवा सेवानिवृत्ति की आयु 58 वर्ष है। दिव्यांग कर्मियों को सरकार ने दो साल का सेवा विस्तार देने का निर्णय लिया है लेकिन इसे केवल 70 फीसदी दिव्यांगता की श्रेणी तक ही सीमित कर दिया। उन्होंने इस नियम को दिव्यांग कर्मियों से भेदभाव बताया और इसे खारिज करने की मांग की थी। हरियाणा सरकार ने तर्क दिया कि दिव्यांगता के नियम तय करना उसके अधिकार क्षेत्र में आते हैं। 70 प्रतिशत दिव्यांगता सीमा कर्मचारी संघ की मांग पर ही तय की गई थी। इस पर कोर्ट ने कहा कि यह कानून की भावना के खिलाफ है। जिन कर्मचारियों के पास 40 प्रतिशत या उससे अधिक दिव्यांगता का प्रमाणपत्र है, वे 60 वर्ष तक नौकरी करने के हकदार होंगे।

अब आयुष से संबंधित दवाओं का स्टॉक यहां भी होगा उपलब्ध, आमजन को मिलेगा बड़ा फायदा

चंडीगढ़: आयुष विभाग ने दवा प्रबंधन प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी व जवाबदेह बनाने के लिए ड्रग इन्वेंट्री मैनेजमेंट सिस्टम लॉन्च किया है। इससे दवाओं की उपलब्धता, स्टॉक स्थिति, वितरण और उपयोग संबंधी सभी रिकॉर्ड ऑनलाइन उपलब्ध होंगे जिससे प्रबंधन सरल, आधुनिक और त्रुटिरहित बनेगा।

स्वास्थ्य मंत्री आरती राव ने कहा कि आयुष निदेशालय की ओर से आयुष स्वास्थ्य संस्थानों में दवाओं की आपूर्ति को पूर्णतया सुचारू और व्यवस्थित रखने के लिए निगरानी की जा रही है।

किसी भी संस्थान में दवाओं की कमी न हो, इसके लिए वितरण प्रणाली को मजबूत किया गया है। पूरे हरियाणा की योगशालाओं के सुचारू संचालन के लिए सभी पंचायती राज संस्थाओं को विस्तृत दिशा-निर्देशों सहित पत्र जारी किए गए हैं। राज्यभर की योगशालाओं में प्रतिदिन निर्धारित योग दिनचर्या का पालन किया जा रहा है।

चमकेगी इन शहरों की किस्मत, नौकरियों की बरसात तय! बनेगी मुंबई जैसी दो फिल्म सिटी

हरियाणा: हरियाणा के सीएम नायब सिंह सैनी ने हाल ही में घोषणा की कि राज्य में दो आधुनिक फिल्म सिटी विकसित की जाएंगी। सीएम ने कहा कि इसका उद्देश्य हरियाणा को हॉलीवुड, बॉलीवुड और अंतर्राष्ट्रीय फिल्म निमार्ताओं के लिए एक आकर्षक गंतव्य बनाना है। सीएम ने यह भी बताया कि हरियाणवी सिनेमा को अघीक दर्शकों तक पहुंचाने के लिए, सरकार प्रसार भारती के साथ दूरदर्शन पर हर हफ्ते हरियाणवी फिल्मों के प्रसारण की संभावना पर चर्चा करेगी। हरियाणा सरकार पंचकूला के पिंजौर में लगभग 100 एकड़ भूमि पर बनने वाली जमीन चिह्नित हो चूकी है, जिसमें 200 करोड़ रुपये खर्च होगा और फिल्म सिटी के पहले चरण के लिए सलाहकारों की नियुक्ति की प्रक्रिया में है। वहीं गुरुग्राम में दूसरी फिल्म सिटी के लिए भूमि की पहचान की जा रही

है, जिसे दूसरे चरण में विकसित किया जाएगा। सीएम ने बताया कि दादा लखमी चंद स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ परफॉर्मिंग एंड विजुअल आर्ट्स (सुपवा) को राज्य की सभी विश्वविद्यालयों में फिल्म मेकिंग कोर्स शुरू करने की जिम्मेदारी दी जाएगी. इसके साथ ही सुपवा विद्यालय स्तर पर थिएटर शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए शिक्षा विभाग के साथ मिलकर कार्य करेगी। सीएम ने सिंगल स्क्रीन सिनेमा को पुनर्जीवित करने की मांग पर कहा कि सरकार क्षेत्रीय सिनेमा को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से पहले ही फिल्म प्रोमोशन बोर्ड का गठन कर चुकी है।

हिसार का भाटला प्रकरण: SC/ST एक्ट में लगाए आरोप नहीं हुए साबित, अब 5 आरोपियों को सुनाई सजा

हिसार : हिसार जिले के भाटला गांव में 8 साल पहले हुए मारपीट प्रकरण में अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश गगनदीप मित्तल की अदालत ने शनिवार को अपना फैसला सुनाया। अदालत ने महेंद्र, सुनील, सुभाष, रविंद्र उर्फ सिकंदर और परवेश को दोषी ठहराते हुए IPC की धारा 325 और 506 में 2-2 साल कैद तथा 7-7 हजार रुपये जुमार्ना लगाया। सजा सुनाए जाने के बाद कोर्ट ने तुरंत पांचों आरोपियों को जमानत पर रिहा कर दिया। फैसले में अदालत ने स्पष्ट किया कि मामले में लगाए गए SC/ST एक्ट के आरोप साबित नहीं हो पाए, इसलिए सभी आरोपियों को इन धाराओं से बरी किया जाता है। यह मामला 16 जून 2017 को राहुल नामक युवक की

शिकायत पर सदर हांसी थाना में दर्ज हुआ था। शिकायत में बताया गया था कि 15 जून को गांव के जलघर पर पानी भरने को लेकर SC समुदाय के जयमल, विकास, कुलदीप, अमित, नरसिंह और राहुल की महेंद्र व उसके साथियों से कहासुनी हो गई थी। विवाद बढ़ने पर दोनों पक्षों में मारपीट हुई और 6 लोग घायल हो गए थे। पुलिस ने घटना के बाद 5 बालिग और 3 नाबालिगों पर धारा 147, 149, 323, 325 तथा SC/ST एक्ट की धारा 3(1)(R) के तहत मामला दर्ज किया था। कोर्ट ने लंबी सुनवाई के बाद अब अंतिम निर्णय सुनाया।

इस शख्स को आम आदमी समझ काटी थी 15 रुपए की टिकट, अब परिवहन विभाग ने बस वाले पर ठोका भारी जुमार्ना

जींद : जींद में एक निजी बस मालिक को राष्ट्रीय युवा पुरस्कार विजेता सुभाष ढिगाना का 15 रुपये का टिकट काटना महंगा पड़ गया। परिवहन विभाग ने जांच के बाद बस मालिक पर 4500 रुपये का जुमार्ना लगाया है।

नियमों के अनुसार राष्ट्रीय युवा अवॉर्ड पाने वाले व्यक्तियों को प्रदेश की सभी बसों में आजीवन मुफ्त यात्रा का अधिकार प्राप्त होता है। सुभाष ढिगाना राष्ट्रीय युवा पुरस्कार विजेता कल्याण संघ के प्रदेशाध्यक्ष भी हैं।

सुभाष ढिगाना ने बताया कि 2 नवंबर को वह उचाना बस अड्डे से एक निजी परिवहन समिति की बस (HR 56 C 2874) में सवार हुए थे। परिचालक द्वारा टिकट मांगने पर उन्होंने परिचय पत्र और निशुल्क यात्रा का अधिकृत पास दिखाया, लेकिन परिचालक ने चालक से बातचीत करते हुए टिकट लेने पर जोर दिया। बस के चालक ने पास मानने से इनकार कर दिया और उन्हें बस से उतार दिया। दूसरी बस में चढ़ने पर काट दी टिकट

सुभाष ने बताया कि वह दूसरी बस में चढ़े, जो संयोग से उसी मालिक की थी। आरोप है कि मालिक ने परिचालक को फोन पर टिकट काटने के निर्देश दिए और मजबूरन उन्हें 15 रुपये का टिकट लेना पड़ा।

हे भगवान! डेढ़ घंटे तक कटी जीभ लेकर घूमता रहा मरीज, अस्पताल के चिकित्सकों की बड़ी लापरवाही

अंबाला: हरियाणा के अंबाला में सड़क दुर्घटना में घायल मरीज अपनी कटी जीभ लेकर नागरिक अस्पताल में डेढ़ घंटे तक घूमता रहा। इस दौरान उसका न तो उपचार किया और न ही उसे रेफर किया। मरीज में जब अपने जानकारों से नगारिक अस्पताल के चिकित्सकों को फोन कराया तब जाकर रात्रि को साढ़े 11 बजे उसे चंडीगढ़ के सेक्टर 32 स्थित अस्पताल में उपचार के लिए रेफर किया गया। इस दौरान अंबाला सिटी में तो चिकित्सकों ने उचित व्यवहार नहीं किया वहीं अंबाला कैंट के नागरिक अस्पताल ने तो रात्रि में एक्स-रे जांच नहीं की। ऐसे में मरीज को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। दरअसल शनिवार शाम आठ बजे जसपाल सिंह (45) का एक्सीडेंट हो गया था। जिसमें उनकी जीभ कट गई और काफी खून बहने

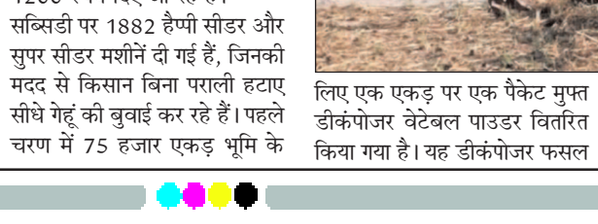

लगा। इसके साथ ही उनके सीने में भी चोटें आईं। एंबुलेंस की मदद से वह अंबाला कैंट के नागरिक अस्पताल पहुंचे। यहां पर चिकित्सकों ने एक्स-रे की सुविधा न होने की बात कहकर उन्हें रोटरी अस्पताल या अंबाला सिटी के नागरिक अस्पताल में एक्स-रे कराने को भेज दिया। मरीज जैसे-तैसे अंबाला सिटी के नागरिक अस्पताल पहुंचे तो मरीज का आरोप है कि यहां पर ड्यूटी पर तैनात डॉ. महेश और डॉ. गौरव ने उनका उपचार ही नहीं किया। इस दौरान मरीज ने अपने जानकारों को फोन किया। आरोप है कि चिकित्सकों ने मरीज को कहा कि वह एक्स-रे कराने आया है तो यह जांच करा के कैंट के सिविल अस्पताल में ही उपचार के लिए जाएं। ऐसे में मरीज असमंजस में फंस गया कि करे तो क्या करे। इस दौरान उसकी जीभ से खून बह रहा था। ऐसे में मरीज ने स्वास्थ्य विभाग में अपने परिचित को फोन किया और यह घटना बताई। परिचित अधिकारी ने भी कई जगह फोन घुमाए तब जाकर मरीज को सेक्टर 32 के अस्पताल में रात्रि साढ़े 11 बजे रेफर किया गया।

कोई बच्चा पीछे न छूटे... सरकारी स्कूलों में पढ़ाई में पिछड़े बच्चों के लिए बड़ा कदम उठा रही सरकार

चंडीगढ़: हरियाणा के सरकारी स्कूलों में पढ़ाई में कमजोर बच्चों को स्क्रीनिंग का काम पूरा हो गया है। दो दिन हुई स्क्रीनिंग में पहली से पांचवें कक्षा तक के साढ़े सात लाख से अधिक बच्चों को शामिल किया गया। सभी शिक्षकों को निर्देश दिया गया है कि वह निपुण हरियाणा टीचर एप पर अत्यंत संवेदनशीलता के साथ डेटा भरे, ताकि जानकारी सटीक और अवलोकन-आधारित हो। स्क्रीनिंग में पहली से पांचवी कक्षा तक के साढे सात लाख से अधिक बच्चे हुए शामिल विशेष आवश्यकता वाले विद्यार्थियों को चिह्नित कर अतिरिक्त ध्यान दिया जाएगा। अधिकारियों और जिला परियोजना समन्वयक को निर्देशित कर दिया गया है। स्क्रीनिंग में विशेष आवश्यकता बाले विद्यार्थियों को चिह्नित कर अतिरिक्त

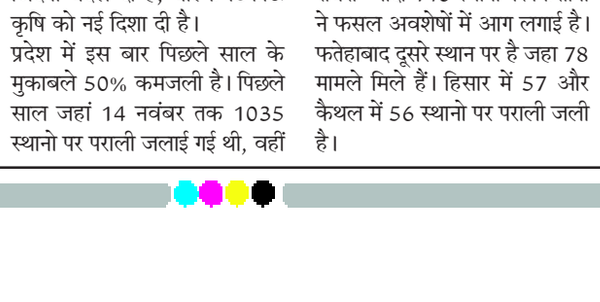

ब्यान दिया जाएगा ताकि वे पड़ाई में बेहतर प्रदर्शन कर सकें। इन विद्यार्थियों में पठन-पाठन को लेकर कुछ कठिनाइयां होती हैं जिस कारण वह अपने अन्य सधियों से पिछड़ जाते हैं। ड्राप आउट को शून्य स्तर पर लाने के लिए ऐसे बच्चों को चिह्नित करने का काम शुरू हुआ है। विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों तथा समुचित शिक्षण सामग्री से इन्हें पढ़ाई में तेज किया जाएगा। इस बार सरकारी स्कूलों में शुक्रवार और शनिवार को लगातार दो दिन 'सबका बाल दिवस-एक दिन बचपन के नाम' मनाया गया, जिसमें बच्चों को खेल-खेल में काफी कुछ सीखने को मिला। हौसलों के रंग, सपनों को उड़ान, भरीसे के कदम, बूझो ती जाने, इशारों-इशारों में, जब अक्षर न दिखे साफ एवं सबके रंग, सबकी चमक जैसी गतिविधियों में बच्चों ने खासी रुचि दिखाई।

पराली जलाएं नहीं.. बस करें ये काम होगी मोटी कमाई, सरकार भी कर रही प्रोत्साहन राशि बढ़ाने की तैयारी

चंडीगढ़ : हरियाणा में पराली (धान की फसल का अवशेष) नहीं जलाने वाले किसानों की प्रोत्साहन राशि बढ़ाने की तैयारी है। पराली प्रबंधन को प्रोत्साहित करने के लिए प्रोत्साहन राशि में 200 से 300 रुपये प्रति एकड़ की बढ़ोतरी का प्रस्ताव सरकार के पास विचाराधीन है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी जल्द ही इस संबंध में कोई आदेश जारी कर सकते हैं।

प्रदेश में अगले दो साल में पराली जलाने के मामलों को शून्य पर लाने का लक्ष्य है। सुप्रीम कोर्ट में कल यानी सोमवार को सरकार की ओर से हरियाणा में किसानों को पराली जलाने से रोकने और प्रबंधन के लिए उठाए कदमों की जानकारी दी जाएगी। प्रदेश में एक लाख 87 हजार किसानों को 16 लाख 31 हजार एकड़ भूमि की पराली के प्रबंधन के लिए प्रति एकड़ 1200 रुपये दिए जा रहे हैं।

सब्सिडी पर 1882 हैप्पी सीडर और सुपर सीडर मशीनें दी गई हैं, जिनकी मदद से किसान बिना पराली हटाए सीधे गेहूं की बुवाई कर रहे हैं। पहले चरण में 75 हजार एकड़ भूमि के

लिए एक एकड़ पर एक पैकेट मुफ्त डीकंपोजर वेटेबल पाउडर वितरित किया गया है। यह डीकंपोजर फसल अवशेष को पोषक तत्वों से भरपूर खाद में बदल देता है, जिससे मिट्टी की उर्वरता बढ़ती है, फफूंदीजनित रोग घटते हैं

और रासायनिक खादों के उपयोग में 20 से 30 प्रतिशत तक की कमी आती है। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा पराली प्रबंधन को नई इंडस्ट्री करार देते हुए कहते हैं कि इसने न केवल किसानों की जिंदगी बदल दी है, बल्कि टिकाऊ कृषि को नई दिशा दी है।

प्रदेश में इस बार पिछले साल के मुकाबले 50% कमजली है। पिछले साल जहां 14 नवंबर तक 1035 स्थानो पर पराली जलाई गई थी, वहीं इस साल अभी तक 503 स्थानों पर फसल अवशेष जलाने के मामले सामने आए है। वर्ष 2020 में 14 नवंबर तक 3670, 2021 में 5595, 2022 में 3128 और 2023 में 1878 स्थानों पर पराली जलाई गई थी। अभी तक जीद में सबसे ज्यादा 146 स्थानो पर किसानो ने फसल अवशेषों में आग लगाई है। फतेहाबाद दूसरे स्थान पर है जहा 78 मामले मिले हैं। हिसार में 57 और कैथल में 56 स्थानो पर पराली जली है।

खबर एक्सप्रेस

'कार्रवाई का तरीका मर्यादित होना चाहिए', वरूण मुलाना का अनिल विज पर तंज

यमुनानगर : यमुनानगर पहुंचे अंबाला से लोकसभा सांसद वरुण मुलाना ने राज्य सरकार को कई मुद्दों पर कठघरे में खड़ा किया। विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होने के बाद उन्होंने मीडिया से बातचीत में लाडो लक्ष्मी योजना, धान खरीद नीति और कैथल की एसपी से जुड़ी विवादित घटना पर सरकार को कटघरे में लिया। मुलाना ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सैनी ने लाडो लक्ष्मी योजना की घोषणा तो बड़े वादों के साथ की, लेकिन अब शर्तें जोड़कर योजना को कमजोर किया जा रहा है। उन्होंने सवाल उठाया कि भाजपा के घोषणा पत्र में दो किस्तों वाली व्यवस्था का उल्लेख क्यों नहीं था। इसके साथ ही उन्होंने बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर भी निशाना साधते हुए कहा कि चुनाव से पहले महिलाओं के खातों में राशि डालकर बीजेपी ने दिखाने की कोशिश की कि वह महिला हितैषी है, जबकि नीतीश कुमार पहले भी मुख्यमंत्री थे, तब यह कदम क्यों नहीं उठाया गया? कैथल की एसपी को कष्ट निवारण समिति की बैठक में डांटने को लेकर मुलाना ने अनिल विज पर गंभीर टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि यह तो पहले से ही जगजाहिर है कि अनिल विज जिन्हें सस्पेंड करते हैं, वह हाईकोर्ट जाकर बहाल हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि यदि किसी अधिकारी से गलती है, तो कार्रवाई का तरीका भी मर्यादित होना चाहिए।

मेडिकल रिपोर्ट मे खु लासा, रोडवेज चालक शराब के नशे में चला रहा था बस, यु वक की हु ई थी मौत

गोहाना : गोहाना में शराब के नशे में रोडवेज बस चलाते हुए एक बाइक सवार को टक्कर मारने के आरोपी को बस चालक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी बस चालक को पुलिस ने आज गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया। जिस पर अदालत ने चालक को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। जानकारी के अनुसार बीते दिनों मृतक रमेश अपनी बाइक से गोहाना से बिचपड़ी गांव जा रहा था। तभी तेज रफ्तार रोडवेज बस ने पीछे से टक्कर मार दी। इस जोरदार टक्कर से रमेश की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। पुलिस ने किया था गिरफ्तार इस मामले में मृतक के बेटे ने गोहाना थाने में शिकायत दर्ज करवाई। मृतक के बेटे ने शिकायत में बताया कि तेज रफ्तार बस चालक ने ही उसके पिता की जान ली है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपी सोनू को गिरफ्तार किया। मेडिकल में हुई शराब सेवन की पुष्टि मेडिकल परीक्षण में यह पुष्टि हुई कि हादसे के समय चालक ने शराब का सेवन किया हुआ था। इसके बाद उसे कोर्ट में पेश किया गया, जहां कोर्ट ने गंभीरता को देखते हुए आरोपी बस चालक को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया है।

नशा तस्कर को कोर्ट ने सु नाई कठोर सजा, भारी जु मार्ना भी लगाया

हिसार : हिसार में अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश डीएन भारद्वाज की अदालत ने नशीले पदार्थ की तस्करी के दोषी मुकेश, निवासी मसूदपुर, को शनिवार को 10 साल कठोर कारावास और एक लाख रुपये जुमार्ने की सजा सुनाई। अदालत ने एक दिन पहले ही उसे दोषी करार दिया था। जानकारी के अनुसार नशा तस्करी का यह मामला 17 जनवरी 2022 का है। एएसआई बालकिशन को सूचना मिली थी कि मुकेश, जो वर्तमान में जगदीश कॉलोनी में रहता है, बाइक पर बरवाला की ओर नशा सप्लाई करने जा रहा है। इस दिन हांसी शहर थाना पुलिस गश्त के दौरान नशा तस्करी की सूचना पर सतर्क हुई। लिस ने तुरंत बरवाला रोड के विराट नगर के पास नाकाबंदी कर दी। कुछ देर बाद हांसी की ओर से आती एक बाइक को रोककर जांच की गई, जिसमें मुकेश के पास से मादक पदार्थ बरामद हुआ। पुख्ता सबूतों के आधार पर अदालत ने उसे दोषी मानते हुए कठोर सजा सुनाई है।

इस बार हरियाणा में राशन डिपो पर नहीं वितरित होगा बाजरा

हरियाणा : हरियाणा में इस बार राशन डिपो पर लाभार्थियों को बाजरे का वितरण नहीं किया जाएगा। यह फैसला सरकारी एजेंसियों द्वारा बाजरे की खरीद न किए जाने के कारण खाद्य एवं आपूर्ति विभाग द्वारा लिया गया है। अब लाभार्थियों को केवल गेहूं, चीनी और सरसों का तेल ही दिया जाएगा। बता दें कि पिछले कुछ सालों से सर्दियों के मौसम में गेहूं के साथ बाजरा भी पीडीएस स्कीम में वितरित किया जाता था। मगर इस साल सितंबर और अक्टूबर में रुक-रुक कर हुई बारिश के कारण फसल प्रभावित हो गई जिससे बाजरा खराब हो गया। बाजरे के सैंपल सरकारी खरीद एजेंसियों (हेफेड, एचडब्ल्यूसी) ने लैब में भेजे, जो खराब कालिटी की होने की वजह से पास नहीं हो पाए।

ASI संदीप लाठर सु साइड केस:CM से मिला परिवार, सैनी ने पत्नी संतोष को इस पद पर नौकरी देने का दिया आश्वासन

रोहतक : रोहतक में ASI संदीप लाठर सुसाइड केस में अपडेट सामने आई है। परिवार मुख्यमंत्री नायब सैनी से मिला। नायब सैनी ने आश्वासन दिया कि अरककी पत्नी संतोष देवी को शिक्षक की नौकरी दी जाएगी। साथ ही मामले में निष्पक्ष जांच होने की बात भी कही। वहीं परिवार केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर से भी मिलेंगे। बता दें कि ASI संदीप लाठर ने 14 अक्टूबर को गांव लाढोत से धामड़ रोड़ पर अपने मामा के खेतों में बने कोठड़े की छत पर जाकर सर्विस रिवाल्वर से गोली मारकर आत्महत्या कर ली थी। सुसाइड से पहले संदीप लाठर ने वीडियो रिकॉर्ड की और सुसाइड नोट भी छोड़ा है, जिसमें क्हर वाई पूरन कुमार पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए है। पुलिस ने इस मामले में परिवार की शिकायत पर 4 लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर रखा है।

संक्षिप्त समाचार

नेपाल में क्रूरता! कुत्ते के 33 पिल्लों पर किया अमानवीय अत्याचार, दो भारतीय गिरफ्तार

काठमांडू, एजेंसी। काठमांडू में दो भारतीय नागरिकों को कुत्तों के 33 बच्चों को अमानवीय परिस्थितियों में एक छोटे पिंजरे में रखने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। आरोपियों की पहचान बिहार के पटना जिले के आलमगंज निवासी 18 वर्षीय मोहम्मद गुड्डू और 28 वर्षीय मोहम्मद नसाद के रूप में हुई है। नेपाल पुलिस ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि पुलिस की एक टीम ने चौमाटी क्षेत्र में एक किराए के शेड से कुत्ते के बच्चों को बचाया और उन्हें पुनर्वास के लिए एक गैर-सरकारी संगठन (टीम संकल्प नेपाल) को सौंप दिया। पुलिस ने बताया कि कुत्ते के बच्चों को अमानवीय तरीके से एक तंग पिंजरे में बंद पाया गया। दोनों गिरफ्तार लोगों को पांच दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

ट्रंप ने फिर की अपनी प्रशंसा, बोले- मैंने आज एक और युद्ध रोका!

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को दावा किया कि वह अमेरिका की मध्यस्थता से कंबोडिया और थाईलैंड के बीच हुए उस संघर्षविराम समझौते को बनाए रखने में सफल रहे हैं जो टूटने के कगार पर था। ट्रंप ने सप्ताहांत में फ्लोरिडा स्थित अपने मार-ए-लागो एस्टेट के लिए उड़ान भरते समय 'एयरफोर्स वन (अमेरिकी राष्ट्रपति का आधिकारिक विमान) में पत्रकारों से कहा, ''मैंने आज ही एक युद्ध रोका है। उन्होंने कहा कि उनके ये कदम दुनिया भर के देशों पर भारी शुल्क लगाने की उनकी इच्छाशक्ति के कारण संभव हुए हैं। ट्रंप का तर्क है कि उनकी देशों पर शुल्क लगाने की रणनीति के कारण अमेरिका को व्यापार और कूटनीतिक लाभ में बड़ी बढ़त मिलती है। राष्ट्रपति ने कहा कि उन्होंने कंबोडिया और थाईलैंड के प्रधानमंत्रियों से फोन पर बात की थी, जो अब ''बहुत अच्छा कर रहे हैं। इन दोनों दक्षिण-पूर्व एशियाई पड़ोसी देशों के बीच सीमा को लेकर क्षेत्रीय विवाद के कारण जुलाई के अंत में पांच दिनों तक सशस्त्र संघर्ष चला था जिसमें कई सैनिक और आम नागरिक मारे गए थे। ट्रंप ने धमकी दी थी कि अगर दोनों देशों ने युद्ध नहीं रोका तो उन्हें व्यापार संबंधी विशेषाधिकार नहीं मिलेगा जिससे संघर्ष को अस्थायी रूप से रोकने में मदद मिली। हालांकि, इस सप्ताह संघर्षविराम उस समय टूटने की कगार पर पहुंच गया था जब कंबोडिया के प्रधानमंत्री हुन मानेत ने कहा कि थाईलैंड के साथ लगती उनके देश की सीमा पर गोलीबारी में एक ग्रामीण की मौत हो गई।

जी20 से अमेरिका ने बनाई दूरी, अब खाली कुर्सी के हवाले अध्यक्षता

वाशिंगटन, एजेंसी। राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा ने कहा कि अगले सप्ताह होने वाले शिखर सम्मेलन में अमेरिकी नेतृत्व की अनुपस्थिति में दक्षिण अफ्रीका प्रतीकात्मक रूप से जी-20 की अध्यक्षता एक खाली कुर्सी को सौंप देगा। उन्होंने वाशिंगटन के साथ व्यापारिक संबंधों को सुधारने की आवश्यकता पर भी बल दिया। उन्होंने श्वेत दक्षिण अफ्रीकियों को कत्ल किए जाने तथा उनकी भूमि से भगाये जाने के बारे में व्यापक रूप से खारिज किये गए दावों का हवाला दिया था। रामफोसा ने सोवेटो में पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए कहा, मैंने पहले भी कहा है कि मैं किसी खाली कुर्सी को अध्यक्षता सौंपना नहीं चाहता। लेकिन खाली कुर्सी तो वहां होगी ही, शायद प्रतीकात्मक रूप से उस खाली कुर्सी को सौंप दूंगा और फिर राष्ट्रपति ट्रंप से बात करूंगा। दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने पिछले सप्ताह कहा था कि कोई भी सरकारी अधिकारी 22-23 नवंबर को दक्षिण अफ्रीका में होने वाले जी-20 शिखर सम्मेलन में भाग नहीं लेगा, क्योंकि उनके अनुसार वहां मानवाधिकारों का हनन हो रहा है। दक्षिण अफ्रीकी अधिकारियों ने इस बात से इन्कार किया है कि अश्वेत बहुल इस देश में किसी को भी अपनी नस्ल के आधार पर भेदभाव का सामना करना पड़ता है।

कांग्रेस की इंटरनेशनल फजीहत, अमेरिकी सिंगर ने राहुल गांधी पर गाया ऐसा गाना; वीडियो वायरल

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी गायिका मैरी मिलबेन ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी पर तीखा हमला किया, क्योंकि भाजपा के नेतृत्व वाले राजग ने बिहार विधानसभा चुनाव में एक बड़ी जीत हासिल की है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रशंसक मिलबेन ने एक पोस्ट साझा कर कांग्रेस समर्थकों पर आरोप लगाया कि उन्होंने पहले इंटरनेट मीडिया पर उनके खिलाफ ट्रोलिंग की थी क्योंकि उन्होंने भाजपा का समर्थन किया था।

मिलबेन का पोस्ट : मिलबेन ने एक्स पर पोस्ट में लिखा, प्रिय राहुल गांधी, कांग्रेस और सभी गांधी गुंडों जिन्होंने मुझे कई हफ्ते पहले एक्स पर ट्रोल किया था और अब मेरे मित्र पीएम नरेन्द्र मोदी और भाजपा बिहार चुनाव में जीत रहे हैं। जबकि कांग्रेस और राजद के नेतृत्व वाले महागठबंधन को बिहार चुनाव में बुरी तरह हार का सामना करना पड़ रहा है। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने बिहार चुनाव में जीत का एक नया मील का पत्थर स्थापित किया है। पीएम मोदी का बडा संबोधन बिहार के विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 90 सीटों पर बढ़त बनाई हुई है और एक प्रचंड जीत की ओर पार्टी बढ़ रही है। एनडीए की बात करें तो भाजपा और जनता दल यूनाइटेड समेत तमाम सहयोगी पार्टियों का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा। इन नतीजों के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली में स्थित भाजपा का मुख्यालय से कार्यकर्ताओं को संबोधित किया और इस दौरान उनका एक अलग अंदाज दिखा। उन्होंने सबसे पहले गमछा लहराकर जीत का जश्न मनाया और फिर बिहार की जनता को संबोधित करते हुए कहा, लोगों ने गर्दा उड़ा दिया। महागठबंधन पर पीएम मोदी का निशाना पीएम मोदी ने इस दौरान कर्पूरी ठाकुर और जेपी नारायण को नमन भी किया। उन्होंने कहा कि जनता ने जंगलराज वालों के एमवाय फॉर्मूले को नकार दिया। उन्होंने कहा, कुछ लोगों ने तुष्टिकरण वाला एमवाय फॉर्मूला बनाया था। पीएम मोदी ने कहा कि बिहार की जनता ने 2010 के बाद सबसे बड़ा जनादेश दिया है। उन्होंने एनडीए के सभी दलों की ओर से बिहार के लोगों का आभार भी जताया। उन्होंने कहा कि अब साकारात्मक वाला एमवाय फॉर्मूला बना है।

व्हाइट हाउस ने ट्रंप की नई एच-1बी वीजा नीति पर दी सफाई

वाशिंगटन, एजेंसी। व्हाइट हाउस ने एच-1बी वीजा नीति को लेकर कहा कि 1 लाख डॉलर की नई फीस प्रणाली दुरुपयोग रोकने की पहली बड़ी कड़ी है। ट्रंप प्रशासन की एच-1बी वीजा नीति का बचाव करते हुए व्हाइट हाउस के प्रवक्ता टेलर रोजर्स ने आईएएनएस को बताया कि राष्ट्रपति ट्रंप ने आव्रजन कानूनों को कड़ा करने और अमेरिकी श्रमिकों को प्राथमिकता देने के लिए आधुनिक इतिहास में किसी भी राष्ट्रपति से अधिक काम किया है। दरअसल, समाचार एजेंसी आईएएनएस के साथ बातचीत करते हुए व्हाइट हाउस के प्रवक्ता ने कहा कि नए एच1-बी वीजा आवेदनों के लिए आवश्यक 100,000 डॉलर का भुगतान प्रणाली दुरुपयोग को रोकने और यह सुनिश्चित करने की दिशा में पहला महत्वपूर्ण कदम है कि अमेरिकी श्रमिकों की जगह अब कम वेतन वाले विदेशी श्रमिक न आएं।

प्रोजेक्ट फायरवॉल : रोजर्स ने एच-1बी वीजा नियमों का उल्लंघन करने वाली कंपनियों की जांच के लिए हाल ही में शुरू किए गए प्रोजेक्ट फायरवॉल पर भी प्रकाश डाला। श्रम विभाग ने एच1-बी वीजा प्रणाली का दुरुपयोग करने वाली कंपनियों की जांच के लिए एक नई प्रवर्तन पहल के रूप में प्रोजेक्ट फायरवॉल शुरू किया है। रोजर्स ने आगे कहा कि ट्रंप प्रशासन एच1-बी प्रक्रिया में जवाबदेही बहाल करके अमेरिकी श्रमिकों की रक्षा कर रहा है, यह सुनिश्चित करते हुए कि इसका उपयोग केवल विशेष व्यवसायों में उच्चतम कुशल विदेशी श्रमिकों को लाने के लिए किया जाए, न कि कम वेतन वाले श्रमिकों को, जो अमेरिकियों को विस्थापित कर देंगे। व्हाइट हाउस की यह प्रतिक्रिया अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप द्वारा इस कार्यक्रम का बचाव करने के कुछ दिनों बाद आई है, जब ट्रंप से पूछा गया कि क्या उनका प्रशासन एच-1बी वीज़ा को प्राथमिकता से हटाने की योजना बना रहा है।

अमेरिका बढ़ाएगा सऊदी अरब की ताकत, ट्रंप प्रिंस सलमान को देने जा रहे एफ-35 लड़ाकू विमान

रियाद, एजेंसी। सऊदी अरब और अमेरिका दोनों एक नए रक्षा अध्याय की ओर बढ़ रहे हैं। डोनल्ड ट्रंप, सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के काफी करीबी माने जाते हैं। साल के शुरुआत में सऊदी अरब ने ट्रंप से सीधे एफ-35 खरीदने में दिलचस्पी दिखाई थी। वहीं, शुक्रवार को ट्रंप ने इस बात का संकेत दे दिया कि वह सऊदी अरब को लॉकहीड मार्टिन द्वारा निर्मित एफ-35 स्टील्थ लड़ाकू विमानों की आपूर्ति के लिए एक समझौते पर सहमत होने पर विचार कर रहे हैं। दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने एयर फोर्स वन में पत्रकारों से कहा कि सऊदी अरब ढेर सारे विमान खरीदना चाहत है। मैं इस पर विचार कर रहा हूं। उन्होंने मुझे इस पर विचार करने के लिए कहा है। वे 35 विमान खरीदना चाहते हैं - लेकिन सऊदी अरब वास्तव में उससे भी ज्यादा लड़ाकू विमान खरीदना चाहता है। आर्थिक और रक्षा समझौतों पर हस्ताक्षर की उम्मीद बता दें कि प प्रशासन सऊदी अरब के 48 एफ-35 खरीदने के अनुरोध पर विचार कर रहा है। अमेरिका द्वारा यह संभावित बिक्री ऐसे समय में हो रही है, जब ट्रंप अगले हफ्ते व्हाइट हाउस में सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान की मेजबानी करने की योजना बना रहे हैं, जहां उनके बीच आर्थिक और रक्षा समझौतों पर हस्ताक्षर होने की उम्मीद है। ब्राहम समझौते में शामिल होगा सऊदी अरब... बातचीत के बारे में पूछे जाने पर ट्रंप ने पत्रकारों से कहा कि यह मुलाकात से कहीं बढ़कर, हम सऊदी अरब का सम्मान कर रहे हैं। उन्होंने दोहराया कि उन्हें उम्मीद है कि सऊदी अरब जल्द ही अब्राहम समझौते में शामिल होगा, जिसने इजराइल और मुस्लिम-बहुल देशों के बीच संबंधों को सामान्य बनाया है। रियाद ने फिलिस्तीनी राज्य के रोडमैप पर सहमति के अभाव में इस तरह के कदम का विरोध किया है।

स्टॉकहोम में बड़ा हादसा: बस स्टॉप पर घुसी बस, 6 लोगों की मौत, कई घायल

स्टॉकहोम, एजेंसी। स्वीडन की राजधानी स्टॉकहोम में शुक्रवार को एक दर्दनाक हादसा हुआ। शहर के एक व्यस्त इलाके में एक डबल-डेकर बस अचानक नियंत्रण खो बैठी और सीधे बस स्टॉप में घुस गई। पुलिस और राहत एजेंसियों ने बताया कि इस दुर्घटना में कम से कम 6 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। राहत दल के अनुसार हादसे के समय बस में कोई यात्री मौजूद नहीं था। बस सीधे फुटपाथ और बस स्टॉप की ओर मुड़ गई, जिसके कारण वहां खड़े लोग इसकी चपेट में आ गए। मौके पर भारी मात्रा में मलबा और टूटे हुए हिस्से बिखरे मिले। पुलिस ने बताया कि शुरुआती जांच में ऐसा कोई सबूत नहीं मिला है जिससे यह लगे कि यह हमला (अटैक) था। फिलहाल इसे अनैच्छिक हत्या यानी दुर्घटनावश हुई मौत का मामला मानकर जांच की जा रही है। बस चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है, हालांकि पुलिस का कहना है कि ऐसी घटनाओं में यह एक नियमित प्रक्रिया है ताकि चालक से पूछताछ की जा सके। पीड़ितों की पहचान का खुलासा नहीं पुलिस ने यह बताने से इनकार कर दिया कि मृतकों या घायलों में कितने पुरुष, महिलाएं या बच्चे थे। घटना में घायल लोगों का इलाज नजदीकी अस्पतालों में किया जा रहा है। घटना का स्थान – चज्ञ॥ यूनिवर्सिटी के पास हादसा स्टॉकहोम के रॉयल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के पास हुआ। यह क्षेत्र आमतौर पर छात्रों और यात्रियों से भरा रहता है। प्रधानमंत्री ने जताया दुख स्वीडन के प्रधानमंत्री उल्फ क्रिस्टर्सन ने एक्स पर लिखा- हम अभी इस हादसे के कारण का पता नहीं लगा पाए हैं, लेकिन मेरी संवेदनाएं उन सभी लोगों और परिवारों के साथ हैं, जो इस घटना से प्रभावित हुए हैं। घटनास्थल पर राहत और बचाव कार्य जारी पुलिस, फायर ब्रिगेड और एम्बुलेंस की कई टीमें मौके पर पहुंच गईं और क्षतिग्रस्त बस को घेर लिया गया। मलबा हटाने और घायलों को अस्पताल भेजने का काम तुरंत शुरू कर दिया गया है।

पाकिस्तान में संविधान संशोधन की समीक्षा की मांग, वकीलों ने किया जोरदार विरोध

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में जस्टिस अमीरुद्दीन खान ने नवगठित फेडरल कांस्टिट्यूशन कोर्ट (एफसीसी) के पहले मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ली। राष्ट्रपति आवास पर आयोजित समारोह में राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने उन्हें शपथ दिलाई। राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री की सिफारिश पर गुरुवार रात उनकी नियुक्ति की थी। संविधान के 27 वें संशोधन के जरिये संवैधानिक मामलों की निगरानी और उससे जुड़े मामलों की सुनवाई के लिए यह नई कोर्ट गठित हुई है। सरकार के इस कदम का सुप्रीम कोर्ट में कड़ा विरोध हुआ है और उसके दो वरिष्ठ न्यायाधीशों ने इस्तीफा भी दे दिया है। जरदारी ने 6 न्यायाधीशों के नाम की घोषणा की देश में संविधान संशोधन से बने नए कानून की समीक्षा की मांग उठ रही है।

कांस्टिट्यूशन कोर्ट में मुख्य न्यायाधीश समेत सात न्यायाधीश होंगे। राष्ट्रपति जरदारी ने शुक्रवार को नवगठित कोर्ट के लिए नियुक्त छह न्यायाधीशों के नाम की घोषणा की। जस्टिस सैयद हसन अजहर रिजवी, अमीर फारूक और अली बकार नजफी को सुप्रीम कोर्ट से कांस्टिट्यूशन कोर्ट में स्थानांतरित किया गया है। नियुक्त हुए तीन अन्य न्यायाधीशों के नाम जस्टिस केके आगा, रोजी खान बारेच और अरशद हुसैन शाह हैं। इनमें अवकाश प्राप्त अरशद हुसैन शाह को तब नियुक्त किया गया जब सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश मुसर्रत हिलाली ने नवगठित न्यायालय में कार्य करने से इन्कार कर दिया। पाकिस्तान के वकीलों और राजनीतिक दलों ने 27 वां संविधान संशोधन लागू होने वाले दिन 13 नवंबर को काला दिवस बताया है। कहा, सुप्रीम कोर्ट के दो वरिष्ठ न्यायाधीशों- मंसूर अली शाह और अतहर मिनाल्लाह का इस्तीफा देना दुखद है। सरकार के इस कदम को न्यायपालिका को कमजोर करने की साजिश बताते हुए अपमानजनक बताया गया है। वकीलों ने दी चेतावनी वकीलों और राजनेताओं ने सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश याह्या अफरीदी से मांग की है कि वह पूर्ण पीठ गठित कर 27 वें संविधान संशोधन की समीक्षा करें जिसमें सुप्रीम कोर्ट के अधिकार कम करने और सेना के अधिकार बढ़ाने वाले कदम उठाए गए हैं। देश के अधिवक्ताओं के संगठन नए कानून के विरोध में आंदोलन करने की चेतावनी पहले ही दे चुके हैं।

नई जंग की आहट! चीन ने दुनिया का सबसे बड़ा जंगी बेड़ा कर लिया तैयार

बीजिंग, एजेंसी। दुनिया में नई जंग की आहट तेज होती दिख रही है। चीन ने 234 युद्धपोतों के विशाल नौसैनिक बेड़े के साथ अपने सबसे उन्नत जंगी जहाज 'सिचुआन' का समुद्री परीक्षण शुरू कर दिया है। ईएमएएलएस तकनीक से लैस यह जहाज लड़ाकू विमान और ड्रोन ऑपरेट करने की क्षमता रखता है। इस कदम ने ताइवान, अमेरिका और जापान की सुरक्षा चिंताओं को और बढ़ा दिया है, क्योंकि यह चीन की भारत-प्रशांत में बढ़ती सैन्य आक्रामकता का नया संकेत माना जा रहा है। चीन ने लड़ाकू विमान, हेलीकॉप्टर और ड्रोन को संचालित करने के लिए शुक्रवार को विद्युत

चुम्बकीय विमान प्रक्षेपण प्रणाली से लैस एक बड़े जंगी जहाज सिचुआन का समुद्री परीक्षण शुरू किया। चीनी नौसेना ने यह जानकारी दी। सशस्त्र संघर्ष के दौरान दुश्मन के इलाकों तक पहुंचने और थल सेना की मदद के लिए इस तरह के जहाजों का उपयोग किया जाता है। यह परीक्षण इस महीने की शुरुआत में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग द्वारा देश के तीसरे विमानवाहक पोत, फुज़ियान, के जलावतरण के बाद हुआ है। नयी तरह का विमानवाहक पोत ईएमएएलएस से लैस सबसे आधुनिक युद्धपोत बताया जा रहा है। ईएमएएलएस का इस्तेमाल केवल अमेरिकी विमानवाहक पोत यूएसएस गेराल्ड आर. फोर्ड द्वारा किया जाता है।

आधिकारिक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, सिचुआन ऐसा पहला जहाज है जो ईएमएएलएस से लैस है और यह जहाज बिजली से संचालित होता है। ईएमएएलएस, विमानवाहक जहाज पर विमानों के उतरने और उड़ान भरने की प्रक्रिया में तेजी ला सकता है। रक्षा विश्लेषकों का कहना है कि यह जहाज चीनी सैन्य बलों को ताइवान तट पर तेज़ी से पहुंचने में मदद कर सकता है। चीन, ताइवान के अपना हिस्सा होने का दावा करता रहा है। विश्लेषकों का कहना है कि अमेरिका के साथ बढ़ते तनाव के कारण, चीन विभिन्न वैश्विक समुद्री मार्गों पर परिचालन के लिए और अधिक विमानवाहक पोत बना सकता है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, चीन के पास जहाजों का अब दुनिया का सबसे बड़ा बेड़ा है, जिसमें 234 युद्धपोत हैं, जबकि अमेरिकी नौसेना के पास 219 युद्धपोत हैं।

430 ड्रोन-18 मिसाइलें! रूस का यूक्रेन पर अब तक का सबसे घातक हमला, कीव में 6 की मौत व 35 घायल

मास्को, एजेंसी। रूस द्वारा शुक्रवार तड़के यूक्रेन पर किए गए मिसाइल और ड्रोन हमलों में छह लोगों की मौत हो गई और एक गर्भवती महिला समेत कम से कम 35 लोग घायल हो गए। यूक्रेन के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने बताया कि देश भर में हुए इस हमले में कम से कम 430 ड्रोन और 18 मिसाइलों का इस्तेमाल किया गया। उन्होंने बताया कि देश के अन्य क्षेत्रों में हुए इस हमले का निशाना कीव था। जेलेंस्की ने 'टेलीग्राम पर एक पोस्ट में कहा, ÷यह सुनियोजित हमला लोगों और आम नागरिकों को यथासंभव अधिक नुकसान पहुंचाने के लिए किया गया था।÷ उन्होंने बताया कि हमला इतना जोरदार था कि मिसाइल के टुकड़ों से अजरबैजान दूतावास क्षतिग्रस्त हो गया। अधिकारियों ने बताया कि हमलों में छह लोगों की मौत हो गई और एक गर्भवती महिला समेत कम से कम 35 लोग घायल हो गए। मॉस्को ने असैन्य क्षेत्रों को निशाना बनाए जाने से इनकार किया है। रूसी रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि उसने यूक्रेन के ''सैन्य-औद्योगिक और ऊर्जा प्रतिष्ठानों पर रात में हमले किए। यूक्रेनी अधिकारियों ने इन दावों को खारिज किया और आवासीय परिसरों एवं सार्वजनिक भवनों को हुए नुकसान को दर्शाया। दार्नित्स्की जिले में मलबा एक आवासीय इमारत के प्रांगण और एक शैक्षणिक संस्थान के परिसर में गिर गया। गिरते हुए मलबे की चपेट में आने से एक कार में आग लग गई। दि्नप्रोव्स्की जिले में हमले के कारण तीन अपार्टमेंट, एक घर और खुले क्षेत्र में आग लग गई। हमले से पोदिल्स्की जिले में पांच आवासीय और एक गैर-आवासीय भवन क्षतिग्रस्त हो गए। शेवचेंकोव्स्की जिले में जलता मलबा गिरने से एक खुले क्षेत्र और गैर-आवासीय भवन में आग लगी। होलोसीव्स्की जिले में हमले की वजह से एक अस्पताल में आग लग गई और एक गैर-आवासीय भवन को नुकसान पहुंचा। देस्नियान्स्की और सोलोमियान्स्की जिलों में हमलों के बाद रिहायशी इमारतों में आग लग गई, वहीं सवियातोशिन्स्की जिले में एक निजी घर में आग लग गई।

अमेरिका में कॉफी, चाय और फलों पर कम हुआ टैरिफ

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में बढ़ती महंगाई और उपभोक्ताओं की शिकायतों के बीच राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने बड़ा फैसला लिया है। ट्रंप ने ने खाद्य आयात पर लगने वाले टैरिफ को घटा दिया है। इससे भारत के आम, अनार और चाय निर्यात को फायदा हो सकता है। दरअसल, ट्रंप द्वारा लगाए गए टैरिफ का असर सीधे उपभोक्ताओं पर पड़ रहा था। हाल ही में अमेरिका के सबसे बड़े शहर न्यूयॉर्क में हुए मेयर और गर्वनर चुनाव में मंहगाई बड़ा मुद्दा थी। इस चुनाव में ट्रंप को हार का सानना करना पड़ा। जिसके बाद ट्रंप ने बीफ, कॉफी और फलों सहित दर्जनों कृषि उत्पादों पर लगे टैरिफ को हटाने का फैसला किया है। भारत को क्या हुआ लाभ? व्हाइट हाउस ने शुक्रवार को घोषणा की कि उष्णकटिबंधीय फल और जूस, चाय और मसाले उन आयातों में शामिल हैं जिन पर पारस्परिक शुल्क नहीं लगेगा। व्हाइट हाउस फैक्टशीट में उल्लिखित अन्य वस्तुएं कॉफी और चाय, कोको, संतरे, टमाटर और बीफ थीं। जिन पर टैरिफ घटाया गया है। ट्रंप ने भारत से आयात पर 25 प्रतिशत पारस्परिक शुल्क लगाया और रूसी तेल खरीदने पर 25 प्रतिशत का दंडात्मक शुल्क जोड़ा। लेकिन मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने के लिए, ट्रंप ने पहले जेनेरिक दवाओं को शुल्क से मुक्त कर दिया था, जिससे भारत को बड़ा लाभ हुआ, जो अमेरिका में निर्धारित 47 प्रतिशत जेनेरिक दवाओं की आपूर्ति करता है। वहीं, अब खाद्य आयात घटाने से आम, अनार और चाय निर्यात में वृद्धि देखने को मिलेगी। ट्रंप नहीं उतरे उम्मीदों पर खरे इस हफ्ते जारी एनबीसी न्यूज के एक सर्वेक्षण में, 63 प्रतिशत पंजीकृत मतदाताओं ने कहा कि जीवन-यापन की लागत और अर्थव्यवस्था के मामले में ट्रंप उनकी उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे, और 30 प्रतिशत रिपब्लिकन इससे

सहमत थे। ट्रंप ने किफायतीपन के मुद्दे को डेमोक्रेट्स द्वारा किया गया पूरी तरह से धोखा बताते हुए इसे खारिज कर दिया और पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन के कार्यकाल में पेट्रोल और ऊर्जा की कम कीमतों और उच्च मुद्रास्फीति दर की ओर इशारा किया, जब यह एक समय 19.7 प्रतिशत तक पहुंच गई थी। हालांकि बाइडेन के कार्यकाल में तेजी से बढ़ती मुद्रास्फीति पर बहस हुई है, फिर भी यह तेजी से बढ़ रही है, सितंबर में यह 3 प्रतिशत दर्ज की गई। लेकिन कुछ खाद्य उत्पादों की कीमतों में टैरिफ के कारण वृद्धि दर्ज की गई है। आयात की कीमतों में 30 प्रतिशत वृद्धि सितंबर के उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के आंकड़ों के अनुसार, भुनी हुई कॉफी की कीमतों में 18.9 प्रतिशत और बीफ और वील की कीमतों में 14.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। भारतीय किराना दुकानों में भारत से मसालों और खाद्य पदार्थों के आयात की कीमतों में लगभग 30 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। आम और अनार का निर्यात बढ़ने की संभावना गौरतलब है कि पूर्व राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू बुश द्वारा टैरिफ हटाने के बाद भारत से आम के आयात का भारत-अमेरिका संबंधों में एक विशेष स्थान है। मिसाइलों, परमाणु सहयोग और प्रौद्योगिकी नवाचार के साथ-साथ आमों को भी फरवरी में ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यात्रा के दौरान जारी संयुक्त बयान में जगह मिली। बयान में कहा गया कि भारत ने अमेरिका को भारतीय आमों और अनारों का निर्यात बढ़ाने के लिए अमेरिका द्वारा उठाए गए कदमों की भी सराहना की।

साउथ अफ्रीका ने ईडन गार्डन्स में तोड़ा 53 साल पुराना रिकॉर्ड, रच डाला ये इतिहास

कोलकाता (एजेंसी)। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच कोलकाता के ईडन गार्डन्स में खेला गया पहला टेस्ट मैच मात्र तीन दिनों में ही समाप्त हो गया। साउथ अफ्रीका ने इस मुकाबले में भारतीय टीम को करारी शिकस्त देते हुए दो टेस्ट मैचों की सीरीज में 1-0 की अहम बढ़त बना ली है। इस जीत के साथ ही मेहमान टीम ने ईडन गार्डन्स के मैदान पर 53 साल पुराना एक बड़ा रिकॉर्ड भी ध्वस्त कर दिया है।

53 साल पुराना टूटा रिकॉर्ड

साउथ अफ्रीका ने भारत के सामने जीत के लिए केवल 124 रन का छोटा लक्ष्य रखा था। यह लक्ष्य भले ही छोटा था, लेकिन भारतीय बल्लेबाजों के लिए इसे हासिल करना %पहाड़ चढ़ने% जैसा साबित हुआ। अगर भारतीय टीम यह लक्ष्य सफलतापूर्वक चेज कर लेती, तो वह 21 साल पहले कायम किए गए अपने ही रिकॉर्ड को तोड़ती। लेकिन ऐसा नहीं हुआ और इसके उलट, साउथ अफ्रीका ने 124 रन का यह मामूली स्कोर सफलतापूर्वक डिफेंड करके ईडन गार्डन्स पर सबसे कम स्कोर का बचाव करने का 53 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। इससे पहले, ईडन गार्डन्स पर सबसे कम स्कोर को डिफेंड करने का रिकॉर्ड 1972 में बने 192 रन का था, जिसे अब साउथ अफ्रीका ने 124 रन बचाकर पीछे छोड़ दिया है।

भारत में 15 साल बाद मिली टेस्ट जीत

124 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम अपनी दूसरी पारी में 100 रन भी नहीं बना सकी। कप्तान शुभमन गिल की अनुपस्थिति का झटका तो टीम को पहले ही लगा था, लेकिन बाकी बल्लेबाजों ने भी निराश किया। भारतीय टीम के 9 विकेट महज 93 रन पर गिर गए। परिणामस्वरूप, साउथ अफ्रीका ने यह मुकाबला 30 रन से जीत लिया। यह साउथ अफ्रीका की भारत में 15 साल बाद पहली टेस्ट जीत भी है।

पृथ्वी ने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 5000 रन पूरे किये

नई दिल्ली(एजेंसी)। महाराष्ट्र की ओर से खेलते हुए पृथ्वी शॉ ने रणजी ट्रॉफी एलीट मैच में पंजाब के खिलाफ अर्धशतक लगाते ही एक अहम उपलब्धि अपने नाम कर ली है। पृथ्वी ने इस मैच में 74 रन बनाते ही फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 5000 रन पूरे कर लिये हैं। इसके लिए उन्होंने कुल 109 पारियां खेली हैं। शॉ ने पंजाब के हरप्रीत बराड़ के हाथों आउट होने से पहले 117 गेंदों पर 74 रन बनाये जिसमें 4 चौके और 2 छक्के शामिल हैं।

अब तक पृथ्वी ने कुल 36 मैचों ी 109 पारियों में 5026 रन बनाये हैं। उनका सबसे अधिक स्कोर 379 रन वहीं औसत 47.16 रन हैं। इस दौरान स्ट्राइक रेट 84.07 रहा है। वहीं इस दौरान 14 शतक उन्होंने लगाये हैं। वहीं 20 अर्धशतक लगाये हैं। पृथ्वी ने इससे पहले 156 गेंदों पर 29 चौकों और पांच छक्कों की मदद से 142.31 की स्ट्राइक रेट से 222 रन बनाए थे। इस दौरान उन्होंने 73 गेंदों में अपना शतक और 141 गेंदों में दोहरा शतक पूरा किया। उनके नाम 21वीं सदी में रणजी ट्रॉफी की इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में सबसे तेज दोहरा शतक लगाने का रिकॉर्ड भी है।

हार के लिए पिच को जिम्मेदार नहीं मानते : गंभीर

कोलकाता (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले ही टेस्ट में मिली हार पर निराशा जताते हुए कहा है कि पिच को हम दोष नहीं देते हैं। उन्होंने कहा कि यह बिल्कुल वैसी ही पिच थी जैसी उन्हें चाहिए थी। इस मैच में भारतीय टीम जीत के लिए मिले 124 रनों के लक्ष्य का पीछा नहीं कर पाये और 93 रनों पर ही सिमट गयी। गंभीर ने कहा, 'ऐसा नहीं है कि इस पिच पर रन नहीं बनाये जा सकते थे। यह वैसी ही थी जैसी हमने मांगी थी और हमें यही मिला। उन्होंने क्यूरेटर सुजन मुखर्जी के काम को भी ठीक बताया। साथ ही कहा कि यह एक ऐसा विकेट है जिसपर मानसिक मजबूती की परीक्ष होती है। इसपर रक्षात्मक अंदाज से खेलने वाले रन बनाने में सफल रहे हैं।

गंभीर ने कहा कि दक्षिण अफ्रीकी कप्तान तेम्बा बावुमा ने 55 और वाशिंगटन सुंदर ने इस पिच पर 31 रन बनकार दिखाया कि रन बनाये जा सकते हैं। उन्होंने कहा, 'यह बिल्कुल वैसी ही पिच है जैसी हमें चाहिए थी। इसमें कोई भी कमी नहीं थी। अक्षर, तेम्बा, वाशिंगटन ने रन बनाए। टर्निंग विकेट होने के बाद भी इसपर तेज गेंदबाजों को काफी विकेट मिले है। गंभीर ने यह भी कहा कि टॉस के प्रभाव को कम करने के लिए हमने इस प्रकार की पिच तैयार करवायी थी। उन्होंने कहा, 'हम पहले दिन से ही स्पिनरों के लिए सहायत पिच की मांग करते हैं जिससे टॉस महत्वपूर्ण नहीं हो जाए। अगर हम टेस्ट जीत जाते, तो पिच के बारे में इतने बातें ही नहीं होतीं। हमारे पास ऐसे खिलाड़ी हैं जो किसी भी हालात में अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं।

सिंधु और हर्षित की शानदार गेंदबाजी, भारत ए ने दक्षिण अफ्रीका को हराया

राजकोट (एजेंसी)। निशांत सिंधु (चार विकेट) और हर्षित राणा (तीन विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के बाद ऋतुराज गायकवाड़ (नाबाद 68) की शानदार बल्लेबाजी की बदौलत भारत ए ने रविवार को दूसरे अनौपचारिक एकदिवसीय मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका ए को नौ विकेट से करारी शिकस्त दी।

132 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारत ए के लिए ऋतुराज गायकवाड़ और अभिषेक शर्मा की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 53 रन जोड़कर अच्छी शुरुआत दिलाई। भारत ए का पहला विकेट नौवें ओवर की पहली गेंद पर अभिषेक शर्मा के रूप में गिरा। अभिषेक शर्मा ने 22 गेंदों में छह चौके लगाते हुए 32 रनों की पारी खेली। उन्हें लुथो सिपामला ने आउट किया। भारत ए ने 27.5 ओवर में एक विकेट पर 135 रन बनाकर मुकाबला 9 विकेट से जीत लिया।

तिलक वर्मा 62 गेंदों में 29 रन बनाकर नाबाद रहे। ऋतुराज गायकवाड़ ने 83 गेंदों में नौ चौकों की मदद से 68 रनों की नाबाद मैच विजयी पारी खेली। इससे पहले आज यहां दक्षिण अफ्रीका ए ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। सलामी बल्लेबाज लुआन-द्रे प्रेटोरियस और रिवाल्डो मूनसामी की जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 39 रन जोड़े।

आठवें ओवर में हर्षित राणा ने लुआन-द्रे प्रेटोरियस (21) को आउटकर भारत ए को पहली सफलता दिलाई। 11वें ओवर में निशांत सिंधु ने रिवाल्डो मूनसामी (33) का शिकार कर लिया।

कप्तान मार्कर्स ऐकरमैन (7) और जॉर्डन हरमन (5) को हर्षित ने आउट किया। सिंधु ने सिनेतेम्बा केशिले (तीन) को आउटकर पवेलियन भेज दिया। 73 पर पांच विकेट गिरने के बाद संकट मे फंसी दक्षिण अफ्रीका के लिए डायन फॉरेस्टर और डेलानो पॉटजीटर की जोड़ी ने संभाल कर खेलते हुए छठे विकेट के लिए 34 रन जोड़े। 24वें ओवर में तिलक वर्मा ने डियान फॉरेस्टर (22) को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा।

डेलानो पॉटजीटर (23) को प्रसिद्ध कृष्णा ने अपना शिकार बनाया। 29वें ओवर में निशांत सिंधु ने एन पीटर और लुथो सिपामला को बिना खाता खोले ही पवेलियन भेज दिया। 31वें ओवर की तीसरी गेंद पर प्रसिद्ध कृष्णा ने प्रीनेलान सुब्रायेन (15) को आउट कर दक्षिण अफ्रीका ए टीम का 132 के स्कोर पर अंत कर दिया। भारत ए के लिए निशांत सिंधु ने 14 रन देकर चार विकेट लिये। हर्षित राणा ने 21 रन देकर तीन विकेट झटके। प्रसिद्ध कृष्णा को दो विकेट मिले। तिलक वर्मा ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

मूक बधिर ओलंपिक में भारत के धनुष ने स्वर्ण जीता

टोक्यों । भारत के धनुष श्रीकांत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए यहां जारी बधिर ओलंपिक में पुरुषों की एयर राइफल स्पर्धा में पहला स्थान हासिल करने के साथ ही स्वर्ण पदक जीता। श्रीकांत ने सबसे अधिक 252.2 अंक हासिल करने के साथ ही नया विश्व रिकॉर्ड बनाया है। वहीं भारत की ओर से मोहम्मद मुर्तजा वानिया ने 250.1 के अंतिम स्कोर के साथ ही रजत पदक, जबकि कोरिया के बेक सेउगहाक ने 223.6 के स्कोर के साथ ही कांस्य पदक पर कब्जा किया। भारत की ओर से धनुष ने क्वालिफिकेशन में 623.3 का स्कोर बनाया था और किम से पीछे रहे थे, जिन्होंने 625.1 का स्कोर बनाया था। भारत इस समय अंक तालिका में दो स्वर्ण और एक कांस्य पदक जीतकर आठवें स्थान पर है। वहीं यूक्रेन 19 स्वर्ण, छह रजत और 13 कांस्य पदक जीतकर तालिका में इस समय नंबर एक पर है। भारत ने 65 सदस्यीय दल में 10 निशानेबाज शामिल हैं।

शुभमन गर्दन में दर्द के बाद अस्पताल में भर्ती, जांच के बाद होगा आगे खेलने पर फैसला : बीसीसीआई

कोलकाता (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान शुभमन गिल को गर्दन में दर्द के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया है। ऐसे में अब शुभमन इस मैच में शायद ही पहले टेस्ट में आगे खेल पायें। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने भी कहा है कि शुभमन के आगे खेलने का फैसला जांच पर निर्भर रहेगा। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ ईडन गार्डन में बल्लेबाजी करने के दौरान एक शॉट लगाते समय उनकी गर्दन जकड़न आ गयी थी जिसके समस्या वह गर्दन को हिला भी नहीं पा रहे थे। इसी कारण उन्हें रिटायर्ड हर्ट होना पड़ा था। इसके बाद उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार शुभमन अभी अस्पताल में हैं। (बीसीसीआई) ने कहा कि शुभमन को चिकित्सा निगरानी में रखा गया है उनके आगे खेलने का फैसला जांच रिपोर्ट के आधार पर ही लिया जाएगा हालांकि जिस प्रकार से उन्हें दर्द है उसको देखते हुए उन्हें शायद ही शामिल किया जाये।

भारतीय बल्लेबाजों को ऐसी पिचों पर रन बनाने का तरीका ढूंढना होगा, भारत की हार पर बोले पुजारा

नई दिल्ली । भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच पहले टेस्ट मैच के तीसरे दिन मेजबान टीम को विश्व टेस्ट चैंपियन के हाथों हार का सामना करना पड़ा। जियोस्टार के पोस्ट-मैच शो 'क्रिकेट लाइव' में बोलते हुए जियोस्टार के विशेषज्ञ चेतेश्वर पुजारा ने पिच के साथ भारत की मुश्किलों, बल्ले से कमजोरी और दूसरी पारी में कप्तान शुभमन गिल की अनुपस्थिति पर प्रकाश डाला। 'क्रिकेट लाइव' पर बात करते हुए पुजारा ने भी बताया कि पहले टेस्ट में टीम इंडिया के लिए क्या गलत हुआ। उन्होंने कहा, 'मेरा मानना है कि सबसे पहले, हमें नहीं पता कि टीम प्रबंधन वास्तव में ऐसी पिच चाहता था या नहीं। लेकिन सतह चाहे जो भी हो, आपको उस पर अच्छा प्रदर्शन करना होगा और अच्छी तैयारी करनी होगी। मैं कहूंगा कि हमें थोड़ी बेहतर गेंदबाजी करनी चाहिए थी और साथ ही, बेहतर बल्लेबाजी भी करनी चाहिए थी।' पुजारा ने कहा, 'दुर्भाग्य से हमारे पास एक बल्लेबाज कम था। शुभमन गिल पहली पारी में चोटिल हो गए और दूसरी पारी में भी उपलब्ध नहीं थे। यह भारतीय टीम के लिए एक बड़ा नुकसान था। लेकिन भारतीय बल्लेबाजों को ऐसी पिचों पर रन बनाने का तरीका ढूंढना होगा। अगर भारतीय टीम ऐसी सतहों पर और मैच खेलती है, तो रन बनाने के मौके कहां से आएंगे? यह एक ऐसी बात है जिस पर टीम मीटिंग में चर्चा होनी चाहिए। बल्लेबाजी कोच को भी बल्लेबाजों से बात करनी होगी। उन्हें अपने पैरों का इस्तेमाल करना होगा, स्वीप शॉट खेलना होगा और ऐसी पिचों पर थोड़ा और सकारात्मक खेलना होगा। आपको गेंदबाज पर दबाव बनाना होगा और यही कुछ ऐसा जो भारतीय बल्लेबाज इस खास टेस्ट मैच में करने में नाकाम रहे।'

वरुण चक्रवर्ती को मिली सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में तमिलनाडु की कप्तानी

चेन्नई (एजेंसी)। भारतीय स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को इस सत्र की सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के लिए तमिलनाडु का कप्तान नियुक्त किया गया है। यह प्रतिष्ठित टी-20 टूर्नामेंट 26 नवंबर से पूरे देश में शुरू हो रहा है। वरुण चक्रवर्ती ने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उनकी सरजमीं पर खेली गई टी-20 श्रृंखला में अहम योगदान दिया, जिसमें तीन मैचों में उन्होंने पांच विकेट लिए और भारत की 2-1 से जीत में निर्णायक भूमिका निभाई।

भारतीय बल्लेबाज नारायण जगदीशन को तमिलनाडु टीम का उप-कप्तान बनाया गया है। टीम में बाएं हाथ के स्पिनर आर साई किशोर और आंद्रे सिद्धार्थ भी शामिल हैं, वहीं भारत के तेज गेंदबाज टी नटराजन को भी इस टूर्नामेंट के लिए टीम में जगह मिली है।

तमिलनाडु को इस सीजन की रणजी ट्रॉफी में बेहतरीन प्रदर्शन के बाद एलीट ग्रुप डी में रखा गया है। इस ग्रुप में राजस्थान, दिल्ली, उत्तराखंड, कर्नाटक, त्रिपुरा, झारखंड और सौराष्ट्र भी शामिल हैं। तमिलनाडु अपना अभियान अहमदाबाद में राजस्थान के खिलाफ मैच से शुरू करेगी। टीम का यह संतुलित संयोजन और वरुण चक्रवर्ती की कप्तानी तमिलनाडु के लिए इस सीजन में मजबूत प्रदर्शन की उम्मीद जगाती है।

तमिलनाडु का स्क्वॉड: वरुण चक्रवर्ती (कप्तान), नारायण जगदीशन, तुषार रहेजा, वीपी अमित सात्विक, शाहरुख खान, आंद्रे सिद्धार्थ, प्रदोष रंजन पॉल, शिवम सिंह, आर साई किशोर, एम सिद्धार्थ, टी नटराजन, गुरजपनीत सिंह, ए एसाक्कीमुथु, आर सोनू यादव, आर सिलंबरासन और एस ऋतिक ईश्वरन

गांगुली ने क्यूरेटर का बचाव किया, भारतीय टीम की मांग के अनुसार बनायी थी पिच, कोच गंभीर ने की थी पिच की आलोचना

कोलकाता । बंगाल क्रिकेट संघ (कैब) के प्रमुख सौरव गांगुली ने पिच को लेकर हो रही आलोचओं को गलत बताया है। गांगुली ने क्यूरेटर सुजान मुखर्जी का बचाव करते हुए कहा कि पिच भारतीय टीम की मांग के अनुसार ही तैयार की गयी थी। ऐसे में टीम की हार के लिए पिच और क्यूरेटर को दोष देना ठीक नहीं है। कोलकाता की पिच पर भारत-दक्षिण अफ्रीका टेस्ट तीसरे ही दिन समाप्त हो गया था। -इसी कारण कई दिग्गजों ने पिच पर सवाल उठाये हैं। इसको लेकर दिग्गज स्पिनर हरभजन ने कहा कि यहां तो सचिन तेंदुलकर और विराट कोहली जैसे बल्लेबाजों के लिए भी खेलना कठिन है। गांगुली ने कहा- पिच भारतीय टीम की मांग पर बनाई गई है। जब आप चार दिनों तक पिच को पानी नहीं देते, तो यही होता है। क्यूरेटर की इसमें गलती कहीं से नहीं है। वहीं इससे पहले क्यूरेटर ने भी कहा था कि टीम प्रबंधन की ओर से 'रैंक टर्नर' जैसी कोई विशेष मांग नहीं की गयी थी। इस पिच पर दोनो ही टीमों 200 रनों तक भी नहीं पहुंच पायीं1 पहली पारी में दक्षिण अफ्रीका ने 159 जबकि भारतीय टीम ने 189 रन बनाये दूसरी पारी में भी अफ्रीकी टीम 154 रनों पर ही आउट हो गयी। इसके बाद 124 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम 93 रन ही बना पायी। तीन दिन में ही दोनो ही टीमों की कुल मिलाकर चार पारियां सिमट गयीं। वहीं इससे पहले भारतीय टीम और कोच गौतम गंभीर ने पिच की आलोचना करते हुए कहा था कि ये गेंदबाजी के लिए अनुकूल थी और इसमें बल्लेबाजों के लिए कुछ नहीं था।

जब धुरंधर भी नहीं बचा सके भारतीय बल्लेबाजी

- टी20 में टीम इंडिया की सबसे बड़ी नाकामियां

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी20 क्रिकेट में टीम इंडिया को दुनिया की सबसे मजबूत टीमों में गिना जाता है। रोहित शर्मा, विराट कोहली और सुरेश रैना जैसे विस्फोटक बल्लेबाजों ने इस फॉर्मेट में कई ऐतिहासिक जीत दिलाई हैं। लेकिन इस सुनहरे सफर के बीच कुछ ऐसे दिन भी आए जब भारतीय बल्लेबाजी बुरी तरह लड़खड़ा गई और टीम 100 रन का आंकड़ा भी पार नहीं कर पाई। ऐसे पांच मुकाबले भारतीय टी20 इतिहास के सबसे निराशाजनक दिनों में शामिल हैं।

भारत का अब तक का सबसे कम टी20 स्कोर 74 रन है, जो 2008 में मेलबर्न में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बना था। उस दिन ऑस्ट्रेलियाई पेस अटैक के सामने भारतीय बल्लेबाज पूरी तरह असहाय दिखे। इरफान पठान ने 26 रन बनाकर कुछ उम्मीद जगाई, लेकिन बाकी बल्लेबाज रन जुटाने के लिए संघर्ष करते रहे और पूरी टीम 17.3 ओवर में ढह गई। 2016 टी20 विश्व कप का नागपुर मैच भी भारतीय फैंस के लिए किसी गहरे झटके जैसा था। न्यूजीलैंड के मिशेल सैंटनर और ईश सोढ़ी ने धीमी पिच का फायदा उठाते हुए भारतीय बल्लेबाजों को 18.1 ओवर में सिर्फ 79 रन पर समेट दिया। इस हार ने साबित किया कि स्पिन-अनुकूल परिस्थितियों में भी भारत की बल्लेबाजी कमजोर पड़ सकती है।

2021 में कोलंबो में श्रीलंका के खिलाफ खेले गए मुकाबले में भारत सीमित विकल्पों के साथ उतरा था, क्योंकि कोविड प्रोटोकॉल की वजह से कई खिलाड़ी आइसोलेशन में थे। युवा टीम श्रीलंकाई गेंदबाजों के सामने टिक नहीं सकी और 20 ओवर में सिर्फ 81 रन जुटा पाई। यह हार न सिर्फ स्कोर के कारण चर्चा में रही, बल्कि इसलिए भी कि इस मैच ने टीम की बेंच स्ट्रेंथ की वास्तविक स्थिति सामने रखी। इसी तरह 2015 में कटक में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारतीय बल्लेबाजी बुरी तरह बिखर गई। तेज गेंदबाजों की उछाल और धार के सामने बल्लेबाजों ने गलत शॉट खेलकर विकेट गंवाए और टीम 17.2 ओवर में केवल 92 रन पर सिमट गई। 2016 में पुणे में श्रीलंका के खिलाफ हुई हार भी भारतीय क्रिकेट इतिहास की चौंकाने वाली घटनाओं में शामिल है। डेब्यू मैच खेल रहे कसुन रजिता ने तीन विकेट लेकर भारत की बल्लेबाजी की रीढ़ तोड़ दी। नतीजा यह रहा कि टीम 18.5 ओवर में सिर्फ 101 रन बना पाई और मैच गंवा दिया। इन सभी मुकाबलों ने यह एहसास कराया कि चाहे टीम कितनी भी मजबूत क्यों न हो, गलत परिस्थितियों और आक्रामक गेंदबाजी के सामने बड़े-बड़े सितारे भी फ्लॉप हो सकते हैं। ये हारें भारतीय क्रिकेट के लिए सीख साबित हुईं कि किसी भी परिस्थिति या विपक्ष को हल्के में लेना बड़ा जोखिम बन सकता है।

हेजलवुड की चोट से ऑस्ट्रेलिया को बड़ा झटका, पर्थ एशेज टेस्ट से बाहर

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच पर्थ स्टेडियम में होने वाले पहले एशेज टेस्ट से ठीक एक हफ्ता पहले मेजबान टीम को बड़ा झटका लगा है। अनुभवी तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड हैमस्ट्रिंग स्ट्रेन के कारण इस मुकाबले से बाहर हो गए हैं। हेजलवुड की अनुपस्थिति इंग्लैंड के लिए फायदा साबित हो सकती है, क्योंकि उनकी गिनती इस समय दुनिया के सबसे खतरनाक गेंदबाजों में होती है। इससे पहले कप्तान पैट कमिंस भी चोट के कारण टीम से बाहर हैं, जिससे ऑस्ट्रेलिया की तेज गेंदबाजी आक्रमण पर असर पड़ेगा। हेजलवुड ने दो दिन पूर्व सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर न्यू साउथ वेल्स के शेफील्ड शील्ड मैच के दौरान विक्टोरिया के खिलाफ खेलते हुए हैमस्ट्रिंग में चोटिल हो गए थे। शुरुआती स्कैन में कोई गंभीर समस्या नहीं दिखी थी, लेकिन क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने शनिवार को पुष्टि की कि दोबारा किए गए इमेजिंग स्कैन में उन्हें हैमस्ट्रिंग स्ट्रेन है। सीए के बयान में कहा गया, 'शुरुआती इमेजिंग कभी-कभी कम-ग्रेड मांसपेशी चोटों को कम आंक सकती है। हेजलवुड अब पर्थ नहीं जाएंगे और उन्हें टीम से बाहर कर दिया गया है।' इस अवसर पर माइकल नेसर को हेजलवुड और सीन एबॉट की जगह कवर के रूप में टीम में शामिल किया गया है। तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर नेसर ने अब तक दो टेस्ट मैच खेले हैं और 2021 में एडिलेड ओवल में इंग्लैंड के खिलाफ डेब्यू किया था। हेजलवुड की चोट से ऑस्ट्रेलिया अब पर्थ में अपनी तेज गेंदबाजी लाइन-अप को लेकर संघर्ष कर रहा है, खासकर जब कमिंस भी निचले हिस्से की चोट के कारण बाहर हैं।

भारत की हार पर कुंबले का बड़ा बयान: दक्षिण अफ्रीका ने परिस्थितियों का बेहतरीन इस्तेमाल किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोलकाता टेस्ट के तीसरे दिन भारत को दक्षिण अफ्रीका के हाथों 30 रनों की हार का सामना करना पड़ा। मैच के बाद जियोस्टार के पोस्ट-मैच शो 'क्रिकेट लाइव' में पूर्व भारतीय कप्तान और दिग्गज स्पिनर अनिल कुंबले ने भारत की गलतियों, पिच की चुनौतियों और कप्तान शुभमन गिल की अनुपस्थिति पर खुलकर बात की।

कुंबले ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका ने मुश्किल परिस्थितियों का भारतीय टीम से कहीं बेहतर उपयोग किया। वे बोले, 'दक्षिण अफ्रीका ने निश्चित रूप से हालात का फायदा उठाया। पिच पर काफी उछाल और अनियमितता थी, लेकिन भारत फिर भी अधिक रन बना सकता था। शुभमन गिल का दोनों पारियों में न खेल पाना टीम के लिए बड़ी कमी साबित हुआ।'

उन्होंने आगे कहा कि बल्लेबाजी में भारत दबाव में घबरा गया और परिस्थितियों से ज़रूरत से ज़्यादा डर गया। कुंबले बोले, 'वाशिंगटन सुंदर और अक्षर पटेल ने दिखाया कि टिके रहकर रन बनाए जा सकते हैं। लेकिन भारत ने पिच को देखकर खेला, गेंद को देखकर नहीं।'

भारत 123 रनों के लक्ष्य का पीछा नहीं कर सका, जिस पर कुंबले ने कहा कि भारतीय गेंदबाजी बदलाव भी उस समय थोड़े कठोर और रक्षात्मक नज़र आए। 'दिन की शुरुआत में बुमराह को पहला ओवर न देना और क्षेत्ररक्षण में खामियां भारत को भारी पड़ीं।''

उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के कप्तान तेम्बा बावुमा की जमकर तारीफ की और कहा कि उन्हें वह पहचान नहीं मिलती जिसकी वे हकदार हैं। 'बावुमा ने कप्तान के रूप में 11 में से 10 टेस्ट जीते हैं। उनकी रणनीति, फील्ड सेटिंग और गेंदबाजों का इस्तेमाल शानदार था।'

कुंबले ने माना कि बावुमा के गेंदबाजी बदलाव ने मैच का रुख बदल दिया, खासकर जब एडेन मार्करम को सही समय पर लाया गया। हालांकि केशव महाराज का एक महंगा ओवर भी था, लेकिन टीम ने सही फैसलों से हालात अपने पक्ष में कर लिए। कुल मिलाकर, कुंबले ने साफ कहा कि, 'भारत इस मैच में दक्षिण अफ्रीका से हर विभाग में पीछे रहा और पिच को लेकर बहुत ज़्यादा परेशान दिखा।'

एंजेलिना जोली से प्रेरित हैं शीना चौहान

फिल्मी दुनिया में कई ऐसे किरदार होते हैं, जो न केवल दर्शकों के दिलों पर छा जाते हैं, बल्कि कलाकारों को भी प्रेरित करते हैं। इस कड़ी में अभिनेत्री शीना चौहान ने बताया कि उनके लिए आने वाली सीरीज में अपने किरदार को निभाने के लिए हॉलीवुड अभिनेत्री एंजेलिना जोली का लोकप्रिय किरदार 'मेलफिसेंट' सबसे बड़ी प्रेरणा बना। एंजेलिना जोली ने डिज्नी की फिल्म 'मेलफिसेंट' में जिस तरह से एक 'विलेन' को ताकत, भावनाओं और मानवीय गहराई से पेश किया, उसने दुनियाभर के दर्शकों को प्रभावित किया था। शीना ने बात करते हुए कहा, ''एंजेलिना जोली का अभिनय केवल एक खलनायिका को दिखाने तक सीमित नहीं था, बल्कि उन्होंने उसे एक ऐसी स्त्री के रूप में पेश किया जो ताकतवर भी है, भावनाओं से भरी भी है, और संवेदनशील भी है। कुल मिलाकर उन्होंने अपने किरदार के जरिए कल्पनाओं को जगाया। वह एक ऐसी शक्ति थीं, जिसमें प्यार, गुस्सा, दर्द और करुणा सब कुछ था। मैंने अपने किरदार में भी वही संतुलन लाने की कोशिश की है।'' शीना चौहान ने आगे कहा, ''सीरीज 'भयावह' में मेरा किरदार एक ऐसी औरत का है जो विद्रोही है, जुनूनी है और अपने विचारों में इंसानियत रखती है। अगर किसी भी नेगेटिव किरदार में भावनाओं और संवेदनशीलता की परतें जोड़ दी जाएं, तो वह और भी दिलचस्प बन जाता है। मेरी कोशिश यही रही कि दर्शक मेरे किरदार से डरें भी, लेकिन उसे समझें भी। अपने लुक और बदलाव के बारे में बात करते हुए अभिनेत्री ने बताया कि जब उन्होंने इस किरदार का रूप धारण किया, तो उन्हें खुद अपने अंदर एक अलग ऊर्जा महसूस हुई। उन्होंने कहा, 'जैसे ही मैंने सींग लगाए, रेड लिपस्टिक लगाई, और बालों को कर्ली किया, तो मुझे लगा कि मेरा किरदार मुझमें उतर आया है। मेरे किरदार में हास्य भी है और रहस्य भी। मुझे उसे निभाने में बहुत मजा आया और मैं चाहती हूं कि दर्शक भी उसे उतना ही पसंद करें।' 'भयावह' सीरीज साल 2026 में ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होगी।

सुष्मिता सेन से लेकर सैफ अली खान तक

बॉलीवुड के ये सितारे अब वेब सीरीज में कमा रहे नाम

कई बॉलीवुड कलाकारों ने बड़े पर्दे पर बेहतरीन अभिनय किया है। शुरू से उनकी पहचान फिल्मों में काम करने की रही है। इनमें से कुछ कलाकारों ने अब बड़े पर्दे पर अभिनय करना बंद कर दिया है। हालांकि इन कलाकारों ने वेब सीरीज में अच्छा अभिनय किया है। इनके अभिनय को दर्शकों ने खूब सराहा भी है। आइए उन कलाकारों के बारे में जानते हैं, जिन्होंने बड़े पर्दे के साथ वेब सीरीज में भी अच्छी अदाकारी की है।

सुष्मिता सेन- आर्या

लाखों दिलों की चाहत सुष्मिता सेन ने आर्या के जरिए सिनेमा में शानदार वापसी की। इसमें उन्होंने अपराध और खतरे का सामना करने वाली एक मां का किरदार निभाया। उनकी स्क्रीन उपस्थिति में शक्ति और कमजोरी का मिश्रण है। वेब सीरीज के फॉर्मेट को अपनाकर, सुष्मिता ने दिखाया कि कैसे बॉलीवुड के सितारे नई जिंदगी पा सकते हैं।

माधुरी दीक्षित- द फेम गेम

माधुरी दीक्षित लंबे वक्त से बड़े पर्दे पर राज करती रही हैं। उन्होंने वेब सीरीज द फेम गेम में अभिनय के जरिए यह साबित कर दिया कि यह प्लेटफॉर्म छोटा नहीं है। सीरीज में उन्होंने एक ऐसी सुपरस्टार का किरदार निभाया, जिसकी जिंदगी में कई राज छिपे हैं। उनके सहज आकर्षण ने इस सीरीज को दर्शकों के दिलों में जगह दिलाई। वेब सीरीज में माधुरी के प्रवेश ने दिखाया कि कैसे बॉलीवुड के दिग्गज कलाकार भी नए दर्शकों से जुड़ने के लिए स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म्स का सहारा ले रहे हैं।

मनोज बाजपेयी-द फैमिली मैन

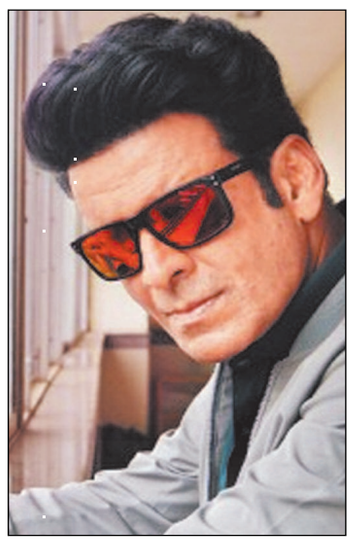

मनोज बाजपेयी ने द फैमिली मैन में श्रीकांत तिवारी नामक एक जासूस की भूमिका निभाकर फैंस के दिलों को जीत लिया। उन्होंने इसमें हास्य और चिंता से ग्रस्त व्यक्ति का किरदार निभाया। इस सीरीज के साथ, मनोज ने एक शानदार उदाहरण पेश किया कि कैसे बॉलीवुड के दिग्गज कलाकार अच्छी कहानियों के साथ स्ट्रीमिंग में छा सकते हैं।

सैफ अली खान सेक्रेड गेम्स

सैफ अली खान बड़े पर्दे के मशहूर अभिनेता हैं। हालांकि उन्होंने वेब सीरीज सेक्रेड गेम्स में सरताज सिंह की भूमिका को पूरी ईमानदारी से निभाया है। वेब सीरीज में उन्होंने अपने अभिनय से फैंस को हैरान कर दिया है। डिजिटल ड्रामा में उनके अभिनय ने दूसरे बॉलीवुड कलाकारों को रास्ता दिखाया है। सैफ ने साबित कर दिया है कि स्ट्रीमिंग शो भी फिल्मों की तरह प्रभावशाली हो सकते हैं और दर्शकों से जुड़ सकते हैं। इसी तरह से नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने सेक्रेड गेम्स में अच्छा अभिनय किया। राधिका आप्टे ने लस्ट स्टोरीज में शानदार अभिनय किया। पंकज त्रिपाठी ने मिर्जापुर में अपने अभिनय का लोहा मनवाया है।

अभिषेक बच्चन ब्रीद इंटू द शैडो

अभिषेक बच्चन ने सीरीज ब्रीद इनटू द शैडोज से दर्शकों को प्रभावित किया है। इसमें उन्होंने एक पिता की भूमिका निभाई है। उनके डिजिटल डेब्यू ने दर्शकों को नया अनुभव दिया। स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर अभिषेक के सफर ने दिखाया कि कैसे बॉलीवुड अभिनेता खुद को नया रूप दे सकते हैं। उन्होंने यह बताने की कोशिश की कि अपने बेहतरीन अभिनय से वह फैंस को हैरान कर सकते हैं।

मैं अभी बहुत कुछ हासिल करना चाहती हूं

इंटरनेशनल स्टार बन चुकीं अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'एसएसएमबी 29' को लेकर चर्चाओं में हैं। एसएस राजामौली द्वारा निर्देशित इस फिल्म में प्रियंका महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन के साथ नजर आएंगी। 15 नवंबर को फिल्म का एक बड़ा इवेंट होना है। इस बीच अभिनेत्री ने एक्स पर अपने फैंस के साथ बातचीत का एक सेशन चलाया। इस दौरान देसी गर्ल ने फैंस के सवालों के कुछ मजेदार जवाब भी दिए। आस्क पीसीजे सेशन की शुरुआत में प्रियंका ने अपनी एक सेल्फी शेयर करते हुए कहा कि वो अभी कार में हैं। आप सब कहां हैं? सेशन के दौरान एक फैन ने पूछा कि आपने बॉलीवुड, हॉलीवुड, म्यूजिक और प्रोड्यूसर के तौर पर सब कुछ एक्सप्लोर किया है। अब ऐसा क्या है जो आप सीखना चाहती हैं या कुछ नया क्रिएट करना चाहती हैं? इस पर पीसी ने जवाब दिया, 'मुझे लगता है कि मैंने अभी शुरुआत भी नहीं की है। मैं अभी बहुत कुछ करना और हासिल करना चाहता हूं। उम्मीद है कि मैं कर पाऊंगी।'

इंडस्ट्री ने हमेशा मुझे काम, इज्जत और प्यार दिया

पॉलिटिकल ड्रामा महारानी के चौथे सीजन में रानी भारती (हुमा कुरैशी) की बेटी रौशनी भारती, जिसकी भूमिका निभा रही हैं अभिनेत्री श्वेता बसु प्रसाद। एक्ट्रेस ने हाल ही में बातचीत की और सीरीज को लेकर बात की।

बातचीत के दौरान, श्वेता कहती हैं, मैं महारानी के तीनों सीजन की बहुत बड़ी प्रशंसक रही हूं। जब इस शो के क्रिएटर और राइटर सुभाष कपूर जी से मुलाकात हुई और उन्होंने सीजन 4 के लिए मेरा नाम सुझाया, तो यह मेरे लिए बेहद खुशी की बात थी। उन्होंने बताया कि जब उन्होंने सीजन 1 में रौशनी भारती का किरदार लिखा था, तब ही मन बना लिया था कि लीप के बाद मुझे कास्ट करेंगे। किसी क्रिएटर का इस तरह का विश्वास एक कलाकार के लिए बहुत बड़ी बात होती है। इस फ्रेंचाइजी की लोकप्रियता, मजबूत लेखन और शानदार परफॉर्मेंस - इन सबने मुझे बहुत आकर्षित किया। अपने किरदार रौशनी भारती के बारे में श्वेता कहती हैं, स्पॉयलर तो नहीं दूंगी (हंसती हैं), लेकिन इतना जरूर कहूंगी कि रौशनी, रानी भारती की बेटी है - एक पॉलिटिकल परिवार में पली-बढ़ी, बेहद दमदार और अपने माता-पिता की विरासत को लेकर चलने वाली। इस बार वो पहले से ज्यादा मजबूत, आत्मविश्वासी और प्रभावशाली नजर आएगी।

अपनी स्क्रिप्ट चॉइस को लेकर श्वेता हमेशा ईमानदार रही हैं। वह स्वीकार करती हैं, अगर दिल नहीं मानता, तो मैं प्रोजेक्ट नहीं करती। जैसा मैंने कहा, मैं पहले ऑडियंस हूं, फिर एक्टर। अगर मुझे लगे कि मैं खुद वो फिल्म नहीं देखना चाहूंगी, तो ऑडियंस का वक्त क्यों बर्बाद करूं? मेरी जिम्मेदारी है कि वही प्रोजेक्ट चुनूं जो ऑडियंस को पसंद आए। हिट-फ्लॉप तो किस्मत की बात है, पर इरादा हमेशा ईमानदार होना चाहिए। वह आगे जोड़ती हैं, मैं खुद को बेहद भाग्यशाली मानती हूं। मैं एक आउटसाइडर रही हूं, लेकिन इस इंडस्ट्री ने हमेशा मुझे काम, इज्जत और प्यार दिया। मुझे कभी ऐसा नहीं लगा कि मुझे मेरी मेहनत का फल नहीं मिला। यहां धैर्य और अनुशासन बहुत जरूरी हैं और अब मुझे लगता है कि मेहनत का असर दिख रहा है। हुमा कुरैशी के साथ काम को लेकर श्वेता बसु प्रसाद का अनुभव बेहद खास रहा।

मैंने 'रिटेक' लिखी और डायरेक्ट की...

अब श्वेता केवल कैमरे के सामने ही नहीं, बल्कि कैमरे के पीछे भी अपना टैलेंट दिखा रही हैं। वह बताती हैं, मैंने रिटेक नाम की एक शॉर्ट फिल्म लिखी और डायरेक्ट की है, जिसमें अनुपम खेर साहब हैं और अप्पलॉज एंटरटेनमेंट ने इसे प्रोड्यूस किया है। मैं फिलहाल नई स्क्रिप्ट्स पर काम कर रही हूं - शॉर्ट फिल्म ही नहीं, बल्कि फीचर फिल्म पर भी। आगे डायरेक्शन जरूर करूंगी, लेकिन एक्टिंग मेरा पहला प्यार है और रहेगा। कैमरे के आगे रहना मेरी पहचान है, वो कभी नहीं छोड़ूंगी।

शादी की होनी चाहिए एक्सपायरी डेट

अजय देवगन के साथ काजोल की शादी को 26 साल पूरे हो चुके हैं। लेकिन अब काजोल ने शादी को लेकर एक ऐसा बयान दिया है, जिसे सुनकर हर कोई हैरान रह गया।

अभिनेत्री काजोल इन दिनों अपने टॉक शो 'टू मच विद काजोल एंड ट्विंकल' को लेकर चर्चाओं में बनी हुई हैं। शो के लेटेस्ट एपिसोड में अब अभिनेता विक्की कौशल और अभिनेत्री कृति सेनन नजर आएंगे। हालांकि, शो के कुछ प्रोमो सामने आए हैं, जिनमें काजोल और ट्विंकल अपने मेहमानों के साथ जमकर मस्ती करती नजर आ रही हैं। अब इस एपिसोड के प्रोमो में दिखता है कि काजोल ने शादी की एक्सपायरी डेट होने का समर्थन किया है। साथ ही उन्होंने इस मामले में नया विकल्प होने की बात का भी पक्ष लिया है।

सिर्फ काजोल ने किया समर्थन

दरअसल, शो के 'ये या वो' सेगमेंट के दौरान सवाल पूछा गया, 'क्या शादी की एक एक्सपायरी डेट और रिन्यूवल का विकल्प होना चाहिए?' इस सवाल से कृति सेनन, विक्की कौशल और ट्विंकल ने अपनी असहमति जताई। उन्होंने इस सवाल पर रेड जोन चुना। लेकिन अभिनेता अजय देवगन की पत्नी और अभिनेत्री काजोल ने इस सवाल का समर्थन करते हुए ग्रीन जोन को चुना। इस पर ट्विंकल ने मजाकिया लहजे में कहा, 'नहीं, यह शादी है, वॉशिंग मशीन नहीं।'

सही व्यक्ति से शादी होने की क्या गारंटी

अपने फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए काजोल ने कहा कि मुझे तो बिल्कुल ऐसा ही लगता है। क्या गारंटी है कि आप सही समय पर सही व्यक्ति से शादी करेंगे? रिन्यूवल का विकल्प सही होगा और अगर कोई एक्सपायरी है, तो किसी को ज्यादा देर तक परेशान नहीं होना पड़ेगा। यही नहीं काजोल ने ट्विंकल को भी ग्रीन जोन में शामिल होने के लिए मनाने की कोशिश की। लेकिन ट्विंकल अपने विचार पर अड़ी रहीं।

ट्विंकल-विक्की का मानना पैसे से खरीद सकते हैं खुशी

इसी सेगमेंट के दौरान अगला स्टेटमेंट था, 'क्या पैसे से खुशी खरीदी जा सकती है।' इस बार ट्विंकल खन्ना और विक्की कौशल इस बात से सहमत नजर आए और उन्होंने ग्रीन जोन चुना। जबकि काजोल ने इस कथन पर अपनी असहमति जताई। काजोल ने कहा कि आपके पास चाहे कितना भी पैसा हो, यह वास्तव में एक बाधा बन सकता है। यह आपको असली खुशी से दूर कर देता है। वहीं कुछ देर सोचने के बाद कृति ने माना कि पैसे से कम से कम कुछ हद तक खुशी खरीदी जा सकती है।

काजोल और ट्विंकल का कॉमन है एक्स

गेम के बाद ट्विंकल ने कहा कि सबसे अच्छे दोस्तों को एक-दूसरे के एक्स को डेट नहीं करना चाहिए। फिर उन्होंने मजाकिया अंदाज में काजोल को गले लगा लिया। ट्विंकल ने कहा मजाक में कहा कि हमारा एक एक्स कॉमन है, लेकिन हम बता नहीं सकते। इस पर काजोल तुरंत हंस पड़ीं और ट्विंकल को चुप रहने के लिए कहा।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।